हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 6 जून 2025 | अंक 231/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

बेंगलुरु भगदड़

में 11 की मौत, पुलिस आयुक्त समेत चार वरिष्ठ अधिकारी निलंबित

सीएम सिद्धारमैया ने जांच आयोग के गठन का भी किया ऐलान

बेंगलुरु.

बेंगलुरु के प्रतिष्ठित चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार को हुई दर्दनाक भगदड़ ने पूरे कर्नाटक को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 33 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

हादसा उस वक्त हुआ जब हजारों की संख्या में लोग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की विजेता टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए थे। रॉयल चैलेंजर्स ने 18 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल की ट्रॉफ़ी जीती थी। इस घटना को लेकर राज्य सरकार पर चौतरफा सवाल उठने लगे थे, जिसके बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई बड़े फैसलों का ऐलान किया।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया है कि पुलिस विभाग के चार वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा। इनमें एडीजीपी रैंक के अधिकारी बी. दयानंद भी शामिल हैं, जो हाल के वर्षों में बेंगलुरु के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले पुलिस आयुक्त रह चुके हैं। उनके अलावा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विकास कुमार, डीसीपी (सेंट्रल) शेखर एचटी और एसीपी बालकृष्ण को भी निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना को "गंभीर प्रशासनिक लापरवाही" करार देते हुए कहा, "इन अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि ये गैर-जिम्मेदार और लापरवाह साबित हुए हैं। जबसे मैं विधायक, मंत्री, उपमुख्यमंत्री और अब मुख्यमंत्री बना हूं, ऐसी घटना कभी नहीं हुई। इस हादसे ने हमें गहराई से आहत किया है।"

इस मामले की गहराई से जांच कराने के लिए राज्य सरकार ने एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता पूर्व उच्च न्यायालय जज जस्टिस माइकल कुन्हा करेंगे। यह आयोग इस बात की पड़ताल करेगा कि हादसा किन कारणों से हुआ, इसमें किसकी जिम्मेदारी बनती है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए क्या कदम उठाए जाएं।

उधर, कर्नाटक पुलिस ने इस मामले में गुरुवार को ही एफआईआर दर्ज कर ली थी। एफआईआर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम, इवेंट आयोजित करने वाली कंपनी डीएनए नेटवर्क्स और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ भी नामजद किया गया है।

इन पर आरोप है कि बिना उचित व्यवस्था के इतने बड़े स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई। इस घटना पर कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है और विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 10 जून को निर्धारित की है। अदालत ने यह भी कहा है कि सार्वजनिक आयोजनों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और आयोजकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जानकारी के अनुसार, हादसे के दौरान स्टेडियम के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बेहद ढीली थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल नहीं था और न ही किसी तरह का ट्रैफिक कंट्रोल किया गया था। चश्मदीदों के मुताबिक, एक अफवाह फैलने से भगदड़ मची, जिसमें सबसे अधिक नुकसान बच्चों और महिलाओं को हुआ।

पुलिस अधिकारियों पर गिरी गाज

पुलिस कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर, डीसीपी सेंट्रल ज़ोन, एसीपी सेंट्रल ज़ोन, एसीपीइंचार्ज स्टेडियम, एसएचओ कब्बन पार्क, आरसीबी समेत कई अन्य के प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी का निर्देश, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने पुलिस को निर्देश दिया है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डीएनए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को गिरफ्तार किया जाए। सीएम सिद्धारमैया ने आगे ये भी बताया है कि बेंगलुरु में भगदड़ की घटना की जांच के लिए हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। आयोग 30 दिनों के भीतर इस मामले में रिपोर्ट सौंपेगा।

सीमांत कुमार बने बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर

एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सीमांत कुमार सिंह को गुरुवार को अगले आदेश तक बेंगलुरु पुलिस आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। अधिसूचना में कहा गया है, 'सीमांत कुमार सिंह, आईपीएस (केएन: 1996), अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन टास्क फोर्स, बेंगलुरु को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाता है और अगले आदेश तक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और पुलिस आयुक्त, बेंगलुरु सिटी, बेंगलुरु के रूप में तैनात किया जाता है।'

10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी

राज्य सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की भी घोषणा की है। मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जबकि घायलों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी। बेंगलुरु जैसे बड़े महानगर में इस तरह की लापरवाही ने प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि न्यायिक जांच आयोग इस मामले में क्या सिफारिशें करता है और क्या दोषियों को सख्त सजा मिलती है।

सीआइडी को सौंपी गई जांच

सीएम सिद्धारमैया ने आगे कहा कि विधायक, मंत्री, उपमुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री के तौर पर मेरे कार्यकाल के दौरान कभी ऐसी घटना नहीं हुई है। इस घटना ने हमें बहुत झकझोर दिया है। मामले में मजिस्ट्रेट जांच शुरू हो चुकी है। वहीं, आरसीबी, डीएनए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ जांच अब सीआईडी को सौंप दी गई है।

होटल की लिफ्ट गिरने से 5 लोग घायल

ग्वालियर.

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक निजी होटल की लिफ्ट गिरने से उसमें सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें चार लोगों के पैर फ्रैक्चर हो गए। सभी घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं हादसे के बाद नगर निगम की टीम होटल पहुंची तो प्रबंधन के लोग भाग निकले। यह पूरा मामला विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र का है। ग्वालियर के सिटी सेंटर स्थित होटल रॉयल इन में गुरुवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। होटल की लिफ्ट लगभग 25 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गई। हादसे के दौरान लिफ्ट में सवार सभी पांच लोग नीचे गिरने से घायल हो गए। इनमें से चार लोगों के पैर फ्रैक्चर हुए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को तत्काल ग्वालियर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सभी चार लोगों के पैरों में प्लास्टर चढ़ाया गया। घायलों ने बताया कि वह होटल के बेसमेंट में आयोजित हंस एम्रो के सेमिनार के शामिल होने आए थे। घायल नानूराम ने बताया कि लिफ्ट से ग्राउंड फ्लोर से थर्ड फ्लोर पर जा रहे थे। इस दौरान धमाके की आवाज आई और नीचे गिर गए। घायल कौशलेंद्र (दतिया निवासी) ने बताया कि होटल में कृषि विभाग की मीटिंग हो रही थी। लिफ्ट से ऊपर जा रहे थे। अचानक धमाका हुआ और लिफ्ट नीचे गिर गई। इधर, हादसे की जानकारी लगते ही नगर निगम की टीम भी मौके पर पहुंची। जब निगम की टीम ने जांच की तो होटल की लिफ्ट के बाहर एनओसी नजर नहीं आई। वहीं होटल प्रबंधन के लोग भी कुछ बताने के लिए तैयार नहीं थे। बहरहाल होटल प्रबंधन की लापरवाही पाए जाने पर नगर निगम सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर सवाल यह भी खड़े होते हैं कि ग्वालियर के इस बड़े होटल के साथ ही और ऐसे कितने होटल सहित अन्य संस्थान हैं जहां लिफ्ट का मेंटेनेंस नहीं कराया गया और ना ही नगर निगम से इसकी सेफ्टी से जुड़ी हुई एनओसी ली गई है।

समृद्धि महामार्ग के आखिरी चरण का हुआ उद्घाटन

मुख्यमंत्री फणडवीस ने किया शुरू

नाशिक.

नासिक के इगतपुरी से ठाणे के अमने तक 76 किलोमीटर लंबे समृद्धि राजमार्ग के अंतिम चरण का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्घाटन किया। एक तरह से इससे वह सपना पूरा हुआ है जो फडणवीस ने पिछली बार मुख्यमंत्री रहते हुए देखा था। इससे नागपुर और मुंबई के बीच की दूरी कम हो गई है और समय की भी काफी बचत होगी। राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास की गाथा में एक मुकुट रत्न, 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि राजमार्ग' का अंतिम चरण (इगतपुरी से अमने -76 किमी) बनकर तैयार है। समृद्धि राजमार्ग पर इगतपुरी-अमने (76 किमी) के अंतिम चरण का भव्य उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कर रहे हैं। इस उद्घाटन के बाद, 701 किलोमीटर लंबा पूरा समृद्धि राजमार्ग यातायात के लिए खुल जाएगा और नागपुर-मुंबई का सफर सिर्फ 8 घंटे में पूरा हो जाएगा। इस समृद्धि महामार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सहित अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में हुआ। इसके बाद तीनों नेताओं ने इस मार्ग पर सुरंग से होकर यात्रा की। उल्लेखनीय है कि इस बार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने देवेंद्र फडणवीस की गाड़ी चलाई। उल्लेखनीय है कि पिछले कार्यक्रम में जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे, तब उनकी गाड़ी देवेंद्र फडणवीस ने चलाई थी। हालांकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक ही गाड़ी में यात्रा की, लेकिन उपमुख्यमंत्री अजीत पवार इस मार्ग पर अलग गाड़ी में यात्रा करते नजर आए। इसके कारण इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

देश का सबसे आधुनिक राजमार्ग

समृद्धि राजमार्ग का अंतिम 76 किलोमीटर का हिस्सा इगतपुरी से अमने तक है। एक बार जब इस मार्ग पर वाहन चलने लगेंगे, तो इगतपुरी से कसारा घाट तक का रास्ता मात्र 8 मिनट में तय हो जाएगा। पहले मुंबई से नासिक जाने में 4 घंटे से अधिक समय लगता था। समृद्धि राजमार्ग की बदौलत अब यह समय घटकर 2 घंटे 30 मिनट रह गया है। समृद्धि 6 लेन, 120 मीटर चौड़ा और 701 किलोमीटर लंबा है और इसे देश का सबसे आधुनिक राजमार्ग कहा जाता है।

सीमेंट बनाने वाली अवैध फैक्ट्री पर छापा, 8 लोग अरेस्ट

लखनऊ. लखनऊ में नकली सीमेंट का कारखाना पकड़ा गया है। कारखाने को चलाने वाले 8 लोग गिरफ्तार कर लिये गए हैं। ये लोग किसी शहर से कच्चा माल तो कहीं से फ्लाई ऐश मंगाते थे। लखनऊ के एक व्यवसायी से कई कंपनियों की प्रिंटेड बोरियां मंगाते थे। कार्रवाई बीकेटी थाना क्षेत्र के नंदना गांव में की गई। नेक्सा-मारुति शोरूम के पास गोदाम बनाया गया था। गोदाम का 50 हजार रुपए हर महीने किराया दिया जा रहा था। एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने नकली सीमेंट कारखाने पर कार्रवाई की है। मुख्य आरोपी ठाकुर प्रसाद ने पूछताछ में बताया कि उसने ऋषभ अग्रवाल का गोदाम किराये पर लिया था। कच्चा माल मेरठ से मित्तल नाम के व्यक्ति से लिया जाता था। फ्लाई ऐश शाहजहांपुर के कमल किशोर शुक्ला से और बोरियां लखनऊ के संजीत राय से ली जाती थीं। आरोपी कई वर्षों से यह अवैध धंधा कर रहा था।

दो कैदियों के बीच मारपीट हुई, एक की मौत

नई दिल्ली. दिल्ली के साकेत कोर्ट लॉकअप में कैदियों के बीच मारपीट हो गई। कोर्ट के लॉकअप के अंदर दो अन्य कैदियों ने अमन नामक कैदी की हत्या कर दी। वे दोनों तिहाड़ जेल नंबर 8 में बंद थे और उन्हें अदालती कार्यवाही के लिए साकेत कोर्ट लाया गया था। है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, मृतक अमन और दोनों आरोपी कैदी तिहाड़ जेल नंबर 8 में बंद थे। न्यूज एजेंसी एएनआई द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जितेंद्र और जयदेव नाम के कैदियों ने साकेत कोर्ट के लॉक अप में अमन की हत्या की। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जितेंद्र और अमन के बीच साल 2024 में मामले को लेकर पुरानी दुश्मनी है। उस समय दोनों ही जेल के बाहर थे।

देशभर में बढ़े कोरोना केस, 4302 से बढ़कर 4866 हुए संक्रमित

नई दिल्ली. देशभर में बीते 24 घंटों में कोरोना के मामलों में इजाफा हुआ है. देश में कोरोना के मामले 4302 से बढ़कर 4866 हो गए हैं. इस दौरान सात लोगों की इस घातक वायरस से मौत हो गई है. राजधानी दिल्ली की बात करें तो बीते 24 घंटे में यहां कोरोना के 105 मामले बढ़े हैं. इसके बाद यहां कोरोना के मामलों की संख्या बढ़कर 562 हो गई है और दो लोगों की मौत हो गई है. मृतकों में पांच महीने का एक बच्चा और 87 साल का बुजुर्ग भी है. वहीं, कर्नाटक में कोरोना से दो और महाराष्ट्र में तीन मरीजों की मौत हुई है. बाकी राज्यों की बात करे तो एक्टिव केसों की संख्या गुजरात में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 508 हो गई है. कर्नाटक में 436, केरल में 1487, महाराष्ट्र में 526 और पश्चिम बंगाल में 538 पहुंच गई है. मौजूदा वक्त में सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य केरल में 1,487 एक्टिव मामले सामने आए. इसके बाद दिल्ली में 562 और महाराष्ट्र में 526, एक्टिव मामले सामने आए हैं. इस बीच, दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि 'अगली कोविड महामारी' अभी खत्म नहीं हुई है, क्योंकि उसने सैंपल इकट्ठा करने, केंद्रों और ट्रांसपोर्ट पॉलिसी के लिए केंद्र की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है. जस्टिस गिरीश कठपालिया ने कहा कि यह आश्वस्त करने वाला है कि जरूरी कदम और प्रोटोकॉल लागू किए जाएंगे, लेकिन संबंधित अधिकारियों को उन्हें रिकॉर्ड में रखना चाहिए.

पहले अयोध्या में श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, अब पुष्पवर्षा होती है: सीएम योगी

अयोध्या.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अयोध्या में सरयू महोत्सव और नगर निगम के दो वर्ष पूरे होने पर एक विशेष कार्यक्रम में भाग लिया. इस दौरान उन्होंने पौधरोपण अभियान की शुरुआत की और नगर निगम के कामकाज की सराहना की.

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, लेकिन आज उन पर पुष्पवर्षा होती है. उन्होंने कहा कि अयोध्या ने आज पूरी दुनिया के सामने 'अतिथि देवो भवः' की एक नई परिभाषा गढ़ दी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का बदला हुआ स्वरूप सभी के सामने है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 वर्षों के लंबे इंतजार को खत्म कर दिया. यह भारत के सांस्कृतिक गौरव की नई शुरुआत है. उन्होंने श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के पदाधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक काम से हर सनातन धर्मावलंबी का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां गंगा और मां सरयू नदियों का हमारे पूर्वजों और भगवान श्रीराम से गहरा रिश्ता है. उन्होंने सरयू महोत्सव के आयोजन को सराहा और कहा कि मां सरयू हजारों वर्षों से अयोध्या की पहचान हैं. गंगा दशहरा के अवसर पर उन्होंने मां गंगा के महत्व पर भी प्रकाश डाला. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आधुनिक भारत का 'भगीरथ' बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में 'नमामि गंगे' अभियान से मां गंगा का पानी फिर से निर्मल हुआ है. पहले की सरकारों की लापरवाही और अवैज्ञानिक कामों की वजह से गंगा प्रदूषित हो गई थी, लेकिन अब स्थिति बदल रही है. प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ श्रद्धालु मां गंगा की निर्मलता का साक्षी बने. मुख्यमंत्री ने नगर निगम की स्मारिका का विमोचन किया, उन्होंने अयोध्यावासियों से अपील की कि वे जिला प्रशासन के साथ मिलकर अपनी नदियों को फिर से जिंदा करने के लिए काम करें. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नगर निगम की स्मारिका का विमोचन किया और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टालों का अवलोकन भी किया. मुख्यमंत्री के इस संबोधन ने अयोध्या में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का संदेश दिया.

कार्यक्रम में कई कैबिनेट मंत्री, विधायक, संतजन, महापौर, पार्षद और गणमान्य लोग मौजूद रहे. इस आयोजन ने दिखा दिया कि अयोध्या अब सिर्फ आस्था का नहीं, बल्कि विकास का भी बड़ा केंद्र बन चुका है. मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण की जरूरत को दोहराया. उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि हर कोई एक पेड़ अपनी मां के नाम पर लगाए, तो धरती फिर से हरी-भरी हो जाएगी. मुख्यमंत्री ने बताया कि सुबह लखनऊ में अपने घर पर बेल और फिर अयोध्या के सरयू तट पर पीपल, पाकड़, नीम जैसे पेड़ लगाए गए.

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेशभर में बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाएगी. 1 से 7 जुलाई तक नदियों के किनारे पौधरोपण होगा और हर जिले में एक नदी को फिर से जिंदा करने का संकल्प लिया गया है. मुख्यमंत्री ने नगर निगम के दो साल पूरे होने पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, पार्षदों और कर्मचारियों को बधाई दी. उन्होंने बताया कि इस मौके पर 30 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और 33 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया गया है.

सीएम योगी ने तीन महिला सफाईकर्मियों को भी सम्मानित किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अयोध्या में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी, लेकिन अब यहां का वातावरण स्वच्छ और सुंदर है. उन्होंने नगर निगम की तीन महिला सफाईकर्मियों को भी सम्मानित किया और कहा कि पिछले साल 16 करोड़ श्रद्धालु अयोध्या आए. यह नगर निगम की मेहनत और ईमानदारी का नतीजा है. मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित अयोध्या के दिव्य स्वरूप का भी जिक्र किया और कहा कि अब अयोध्या का सौंदर्यीकरण तेजी से हो रहा है. यहां का अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, मठ-मंदिरों का विकास और राम की पैड़ी का विस्तार इसे और भव्य बना रहे हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि मां जानकी, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न, हनुमान, सुग्रीव, जामवंत, माता शबरी और निषाद राज के नाम पर यहां वाटिकाएं विकसित की जाएंगी.

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी

> बिस्किट फैक्ट्री पर पड़ा ताला

नई दिल्ली.

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, ये वो नाम है जो करीब 132 साल से भारत के घर-घर में पहचाना जाता है. ये देश की उन शुरुआती एफएमसीजी कंपनियों में से एक है जिसने भारत को बिस्किट जैसे सबसे बेसिक फूड आइटम के प्रोडक्शन में ना सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया. बल्कि आज भारत से बड़ी मात्रा में बिस्कुट का एक्सपोर्ट भी होता है. लेकिन अब ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज अपनी सबसे पुरानी फैक्टरी में से एक को बंद करने जा रही है, जिसका देश

की आजादी से भी कनेक्शन है.

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई उच्च न्यायालय का फैसला खारिज करते हुए ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएल) के लिए तीन दशक से अधिक समय तक बिस्कुट बनाने वाली कंपनी को बंद करने की मंजूरी दे दी. न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने उच्च न्यायालय के 17 फरवरी, 2023 के आदेश के खिलाफ दायर हरिनगर शुगर मिल्स लिमिटेड (एचएसएमएल) की अपील पर यह फैसला सुनाया. एचएसएमएल ने पहले अपने कर्मचारियों को सद्भावना के तौर पर 10 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी. लेकिन अदालत ने इस राशि को बढ़ाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया और आठ सप्ताह के भीतर इसका भुगतान करने को भी कहा.

अदालत ने कहा, यह देखते हुए कि इस कंपनी के बंद होने से कुछ कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है और कुछ अन्य बिना किसी गलती के बेरोजगार हो सकते हैं, हम एचएसएमएल के इस कदम की सराहना करते हैं.

इस तरह के बयान को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है. एचएसएमएल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने सद्भावना राशि बढ़ाने पर निर्णय लेने का काम अदालत पर छोड़ दिया था.

30 साल से बना रही थी बिस्कुट

एचएसएमएल तीन दशकों से अधिक समय से ब्रिटानिया के लिए अनुबंध पर बिस्कुट बना रही थी. नवीनतम समझौते को ब्रिटानिया ने 20 नवंबर, 2019 से समाप्त कर दिया था. इसके बाद एचएसएमएल ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25-ओ के तहत अपना परिचालन बंद करने के लिए 28 अगस्त, 2019 को आवेदन किया था.

भारत में बनेगा राफेल टाटा को मिली बड़ी ज़िम्मेदारी

नई दिल्ली.

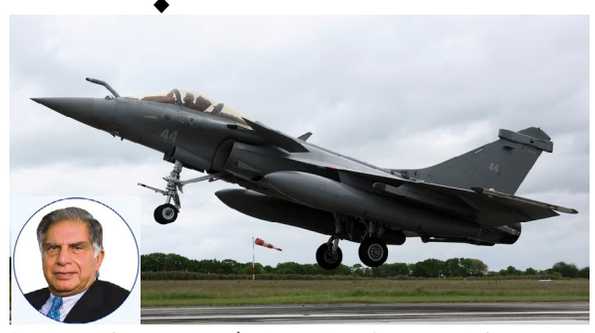

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को दहलाने वाले फाइटर राफेल की मेन बॉडी अब भारत में ही बनेगी। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और फ्रांस की दसॉल्ट एविएशन ने एक बड़ा समझौता किया है। यह समझौता राफेल लड़ाकू विमान के फ्यूजलेज को भारत में बनाने के लिए है। दोनों कंपनियों ने प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट पर साइन किए हैं। पहली बार राफेल विमान का फ्यूजलेज फ्रांस के बाहर बनेगा। दसॉल्ट कंपनी के अनुसार यह भारत के एयरोस्पेस सेक्टर में एक बड़ा निवेश है। इससे भारत में हाई-प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

इस साझेदारी के तहत टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स हैदराबाद में एक नया प्लांट लगाएगी। इस प्लांट में राफेल के मुख्य स्ट्रक्चरल सेक्शन बनेंगे। इसमें रियर फ्यूजलेज के लेटरल शेल, पूरा रियर सेक्शन, सेंट्रल फ्यूजलेज और फ्रंट सेक्शन शामिल हैं। फ्यूजलेज विमान का मुख्य ढांचा होता है। माना जा रहा है कि फाइनेंशियल ईयर 2028 में इस प्लांट से फ्यूजलेज बनना शुरू हो जाएगा। कंपनी का लक्ष्य है कि हर महीने दो पूरे फ्यूजलेज बनाए जाएं। दसॉल्ट एविएशन के चेयरमैन और सीईवो एरिक ट्रैपियर ने कहा, "यह भारत में हमारी सप्लाई चेन को मजबूत करने में एक निर्णायक कदम है। टाटा सहित हमारे स्थानीय भागीदारों के विस्तार के कारण यह सप्लाई चेन राफेल को सफल बनाने में मदद करेगी। हमारे समर्थन से, यह हमारी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा की आवश्यकताओं को पूरा करेगी।टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर सुकरन सिंह ने कहा कि यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में राफेल के पूरे फ्यूजलेज का उत्पादन टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की क्षमताओं में बढ़ते विश्वास और दसॉल्ट एविएशन के साथ हमारे सहयोग की ताकत को दर्शाता है।

दुनिया में बढ़ेगा यूपीआई का दबदबा वीसा की बढ़ेगी चिंता

नई दिल्ली.

यूपीआई के जून के महीने के ट्रांजेक्शन को देखा जाए तो ये Visa के ट्रांजेक्शन से कहीं ज्यादा हैं. जहां 1 जून 2025 को यूपीआई से 64.4 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए और अगले ही दिन इन ट्रांजेक्शन की संख्या 65 करोड़ पार कर गई. वहीं फाइनेंशियल ईयर 24 में यूपीआई पहले ही वीसा से काफी आगे निकल चुका है, जहां वीजा से दुनियाभर में रोजाना 64 करोड़ ट्रांजेक्शन होते हैं, जबकि यूपीआई से जून 2025 में रोजाना 65 करोड़ से अधिक लेनदेन हो रहे हैं. ये आंकड़े बताते हैं कि यूपीआई ने वीजा को ट्रांजेक्शन के मोर्चे पर पीछे छोड़ दिया है और भविष्य में ये एक पावरफुल पेमेंट ऑप्शन बनता जा रहा है.

जानकारों के अनुसार 2029 तक यूपीआई से सालाना 43900 करोड़ ट्रांजेक्शन होंगे. जो 2024 में किए गए ट्रांजेक्शन से तीन गुना ज्यादा है. आपको बता दें फिलहाल भारत में 90 प्रतिशत डिजिटल ट्रांजेक्शन यूपीआई से किए जा रहे हैं.

से होने वाले ट्रांजेक्शन की संख्या 64 करोड़ थी. जबकि जून 2025 में यूपीआई से होने वाले शुरुआती तीन दिन के एवरेज ट्रांजेक्शन 64.8 करोड़ रहे. यूपीआई की इस बढ़त पर एयरपे के संस्थापक कुणाल झुनझुनवाला ने कहा कि यूपीआई डेली ट्रांजैक्शन में जल्द ही वीसा से आगे निकलने वाला है.

यूपीआई पहले ही वीसा से काफी आगे निकल चुका है, जहां वीजा से दुनियाभर में रोजाना 64 करोड़ ट्रांजेक्शन होते हैं, जबकि यूपीआई से जून 2025 में रोजाना 65 करोड़ से अधिक लेनदेन हो रहे हैं. ये आंकड़े बताते हैं कि यूपीआई ने वीजा को ट्रांजेक्शन के मोर्चे पर पीछे छोड़ दिया है और भविष्य में ये एक पावरफुल पेमेंट ऑप्शन बनता जा रहा है.

रेल यात्रा होगी आरामदायक

> स्लीपर में नया बदलाव

नई दिल्ली.

जी हां, रेलवे बोर्ड के एक नवीनतम फैसले के मुताबिक जिन ट्रेनों में ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस है, उनके स्लीपर कोच में भी एसी कोच की तरह की एक सुविधा मिलेगी। यह सुविधा है लिक्विड सोप डिस्पेंसर की। इन ट्रेनों के एसी डिब्बे के शौचालय और गलियारे में लगे वाश बेसिन के पास लिक्विड शॉप डिस्पेंसर की सुविधा होती है। यही सुविधा अब स्लीपर कोच में भी होगी।

मेल और एक्सप्रेस ट्रेन के स्लीपर कोच में लिक्विड हैंड वॉश उपलब्ध कराने संबंधी फैसला रेलवे बोर्ड से हो गया है। बीते दिनों सभी जोनल रेलवे को लिखी चिट्ठी में इसकी जानकारी दी गई है। इस चिट्ठी में बताया गया है कि अभी जिन ट्रेनों में ओबीएचएस सुविधा है, उनके एसी डिब्बों में पहले से ही लिक्विड हैंड वॉश उपलब्ध करा दिया गया है। अब ऐसी सुविधा उन ट्रेनों के स्लीपर डिब्बों में भी होगी।

रेलवे के एक मैकेनिकल इंजीनियर ने बताया कि जिन ट्रेनों में ओबीएचएस सुविधा है, उन ट्रेनों के स्लीपर डिब्बों के शौचालयों और गलियारे में लगे वॉश बेसिन के पास लिक्विड सोप डिस्पेंसर लगाए जाएंगे। उनमें ट्रेन चलने से पहले लिक्विड हैंड वॉश भर दिए जाएंगे। यही नहीं, रास्ते में भी जब लिक्विड सोप खत्म हो जाएगा तो उसे ओबीएचएस के स्टाफ फिर से भर देंगे।

भारत में कई तरह की रेलगाड़ियां चलती हैं। कुछ तो प्रीमियम ट्रेनें हैं, जैसे राजधानी एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस आदि। इन ट्रेनों में बहुत अच्छी सुविधाएं होती हैं।

कुछ सुपरफास्ट और मेल एक्सप्रेस ट्रेन भी हैं और कुछ पैसेंजर ट्रेन भी। सुपरफास्ट मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में से चुनिंदा रेलगाड़ियों में ओबीएचएस सुविधा होती है। इसमें चलती ट्रेन में लोग डिब्बों और शौचालय की साफ-सफाई करते हैं।

गोल्ड ने लगाई हैट्रिक

नई दिल्ली.

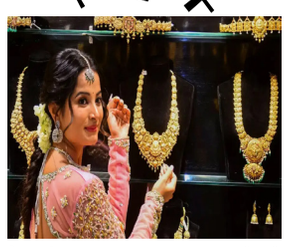

लगातार तीन कारोबारी दिनों से गोल्ड की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है. वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतों में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल रहा है. जिसकी वजह से दिल्ली में गोल्ड के दाम 1 लाख रुपए के नजदीक पहुंच रहे हैं. जबकि चांदी की कीमतों रिकॉर्ड लेवल को पार करने वाली हैं. खास बात तो ये है कि रिच डैड और पुअर डैड के ऑथर का मानना है कि चांदी की कीमतों में 3 गुना का इजाफा देखने को मिल सकता है. उसकी वजह से चांदी की कीमतों में और भी ज्यादा इजाफा देखने को मिल सकता है. जानकारों की मानें तो गोल्ड की कीमतों में तेजी की वजह जियो पॉलिटिकल टेंशन, ग्लोबल इकोनॉमी की खराब स्थिति और फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की संभावना से देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते है कि देश की राजधानी दिल्ली में गोल्ड की कीमतों में कितना इजाफा हुआ है और चांदी के दाम कितने हो गए हैं?

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, देश की राजधानी दिल्ली में बुधवार को सोने की कीमत 260 रुपए बढ़कर 99,260 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई. 99.5 फीसदी प्योरिटी वाला गोल्ड 100 रुपए बढ़कर 98,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई. सोने की कीमतों में लगातार तीसरे दिन इजाफा देखने को मिला है. इन तीनों में गोल्ड के दाम में करीब 600 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है. अगर बात चांदी की बात करें तो बुधवार को 1,900 रुपए का इजाफा देखने को मिला है और दाम बढ़कर 1,02,100 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गए हैं. पिछले बाजार सत्र में यह धातु 1,00,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी. वैश्विक स्तर पर सोना हाजिर 9.43 डॉलर प्रति औंस या 0.28 प्रतिशत बढ़कर 3,362.6 डॉलर प्रति औंस हो गया.

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी ने कहा कि व्यापार से जुड़ी लगातार अनिश्चितताओं, आर्थिक चिंताओं और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण बुधवार को सोने में थोड़ा पॉजिटिव रुख दिखा, जिससे कीमती धातु की सुरक्षित निवेश अपील को समर्थन मिला. अप्रैल में केंद्रीय बैंकों ने ग्लोबल रिजर्व में कुल 12 टन सोना जोड़ा. हालांकि, खरीद की गति धीमी हो गई है, जो पिछले महीने की तुलना में 12 फीसदी कम है. गांधी ने कहा कि खरीद में गिरावट के बावजूद, केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने भंडार में सोना जोड़ना जारी रखने की संभावना है.

चांदी में बड़ी छलांग 1 दिन में 2700 रुपये की बढ़त

नई दिल्ली.

चांदी की कीमतों में पिछले कुछ दिनों में तेजी देखने को मिली है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए चांदी की खरीदारी कर रहे हैं. इस वजह से चांदी की कीमतों में पिछले कई दिनों में तेजी देखने को मिल रही है. आपको बता दें चांदी की कीमत में तेजी की दूसरी वजह रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन के बीच चल रहे युद्ध की वजह से भी बढ़ी हैं, इसके अलावा ट्रंप टैरिफ की वजह से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना हुआ है. जिसके चलते निवेशक चांदी में निवेश करना पसंद कर रहे हैं.इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार रात को हाजिर चांदी की कीमत करीब 2,700 रुपए की बढ़ हुई जिसके बाद 1 किलो चांदी की कीमत 1,00,460 रुपए हो गई, एंजल वन के मुद्रा विश्लेषक प्रथमेश माल्या के अनुसार रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के चलते निवेशक मेटल यानी सोना और चांदी में निवेश करना पसंद कर रहे हैं. उन्होंने बताया कि पिछले 3-4 सेंसशन में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी में करीब 6 फीसदी की तेजी देखने को मिली है.

इसके साथ ही प्रथमेश माल्या ने कहा कि एमसीएक्स वायदा में चांदी की कीमतों में करीब 5 प्रतिशत की तेजी आई है. उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते आने वाले दिनों में चांदी में तेजी आएगी और एमसीएक्स वायदा में जल्द ही चांदी 1,06,000 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर पहुंच सकती है. इसके साथ ही उन्होंने व्यापारियों को सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आगे चलकर चांदी की कीमतों गिरावट भी आ सकती है.चांदी की बढ़ती कीमतों के बीच सवाल उठता है कि 1 किलो चांदी की कीमत कहां तक जाएगी? हाल ही में, प्रसिद्ध व्यक्तिगत वित्त पुस्तक 'रिच डैड, पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से 2025 में चांदी की कीमतों में 3 गुना उछाल की भविष्यवाणी की है.

सरकारी खजाने में अडानी का बड़ा योगदान

नई दिल्ली.

अडानी ग्रुप की कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में 29 प्रतिशत से अधिक करीब 75,000 करोड़ रुपए के टैक्स का पेमेंट किया है. इसमें डायरेक्ट और इनडायरेक्ट टैक्स के साथ-साथ कर्मचारियों की सोशल सिक्योरिटी के लिए किए गए पेमेंट भी शामिल हैं. कंपनी ने अपने बयान में कहा कि, वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल 2024 से मार्च 2025 वित्तीय वर्ष) के लिए लिस्टेड कंपनियों के माध्यम से अडानी ग्रुप का सरकारी खजाने में कुल योगदान 29 प्रतिशत बढ़कर 74,945 करोड़ रुपए हो गया है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 58,104 करोड़ रुपये था.अडानी ग्रुप ने बताया कि उसकी लिस्टेड कंपनियों में सबसे ज्यादा अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल), अडानी सीमेंट लिमिटेड (एसीएल), अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने टैक्स का पेमेंट किया है.

बयान में कहा गया कि, ग्रुप की सात लिस्टेड कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड,अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड,अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड और अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा पब्लिश पब्लिश इंडिपेंडेंट ऐन्यूअल रिपोर्ट के आंकड़े इसमें शामिल हैं. इस आंकड़े में तीन दूसरी लिस्टेड कंपनियां एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज द्वारा चुकाया गया टैक्स भी शामिल है जिनका कंट्रोल उक्त सात कंपनियों के पास है.

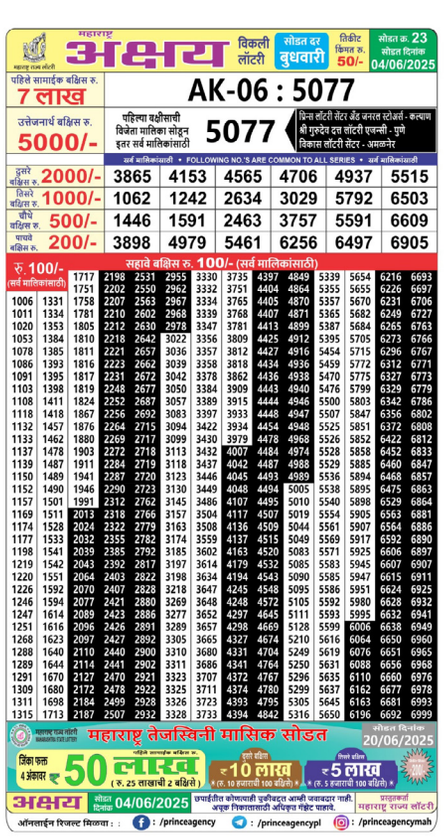

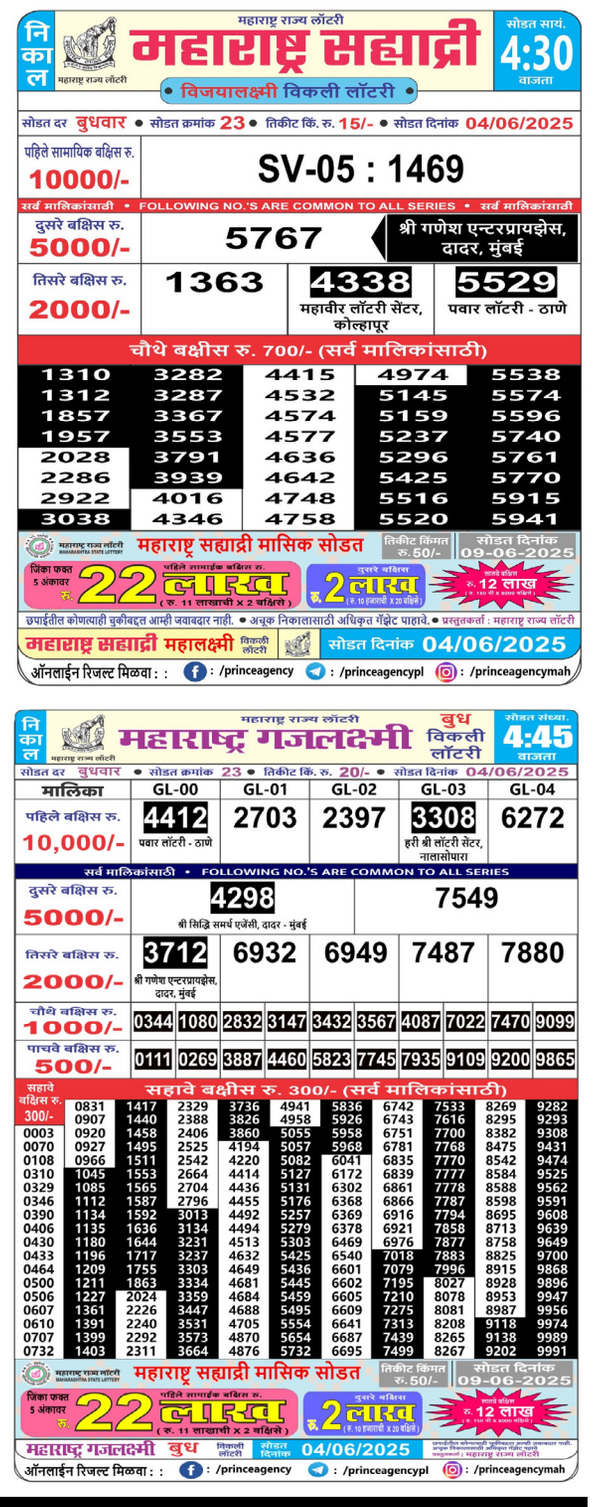

ट्रंप का ये फैसला भारत के लिए है झटका!

> खतरे में पड़ा 39 हजार करोड़ का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली.

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में स्टील और एल्यूमिनियम उत्पादों पर 50% टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है, जिसका प्रभाव भारत के निर्यात, स्थानीय विनिर्माण, कीमतों और व्यापार पर पड़ सकता है. वैसे तो भारतीय स्टील कंपनियों पर फिलहाल इसका कोई बड़ा सीधा असर नहीं दिख रहा है. हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि चीन और अन्य देशों की ओर से डंपिंग की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. विश्लेषकों के अनुसार, भारत से अमेरिका को स्टील का सीधा निर्यात सीमित मात्रा में होता है.

हालांकि, भारत के लिए चिंता का विषय उन उत्पादों पर हो सकता है जो लोहे या स्टील से बनते हैं. मसलन, ऑटोमोबाइल, ऑटो पार्ट्स और इंजीनियरिंग गुड्स. इन पर पड़ने वाला अप्रत्यक्ष असर आने वाले समय में अहम हो सकता है. यह टैरिफ नीति वैश्विक व्यापार के परिदृश्य को बदल सकती है, जिससे भारत सहित कई देशों के निर्यातकों को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है.

इस टैरिफ का उद्देश्य अमेरिकी स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना है, जिससे घरेलू उत्पादकों को फायदा मिलेगा. हालांकि, इससे अमेरिका में स्टील और एल्यूमिनियम की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, जो विभिन्न उद्योगों में उत्पादन लागत बढ़ाने का कारण बनेगी. यह अंततः उपभोक्ता उत्पादों की कीमतों में भी वृद्धि कर सकता है. भारत सहित अन्य देशों के निर्यातकों को नई टैरिफ नीति के कारण व्यापारिक मार्ग बदलने पड़ सकते हैं. निर्यात अमेरिका के बजाय अन्य देशों या क्षेत्रों की ओर रुख कर सकते हैं जहां टैरिफ कम या नहीं हैं. इससे वैश्विक व्यापार में प्रवाह और प्रतिस्पर्धा के पैटर्न में बदलाव आ सकता है

भारत के निर्यात पर असर

अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण निर्यात बाजार है. स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर 50% टैरिफ लगने से भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में कमी आ सकती है क्योंकि अमेरिकी आयोजकों को यह महंगा पड़ेगा. इससे भारत की स्टील और एल्यूमिनियम उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है और उनके उत्पादों की मांग में गिरावट आ सकती है.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

हरियाली की ओर कदम

> राज्य में चलेगा मेगा पौधारोपण अभियान

मुंबई.

राज्य में वन आच्छादन की प्रतिशतता बढ़ाने के उद्देश्य से 'हरित महाराष्ट्र, समृद्ध महाराष्ट्र' अभियान के अंतर्गत इस वर्ष 10 करोड़ वृक्ष लगाए जाएंगे, ऐसी घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की. अगले वर्ष भी 10 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. यह अभियान तभी सफल होगा जब वृक्षारोपण एक जनआंदोलन बने.

इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए, ऐसा आह्वान मुख्यमंत्री ने किया. इस अभियान के तहत वृक्षारोपण की योजना

पर सह्याद्री अतिथि गृह में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार, वन मंत्री गणेश नाईक, राज्य मंत्री आशीष जायसवाल, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर और विभिन्न विभागों के सचिव तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

देसी और छायादार वृक्ष लगाए जाएंगे

❒ उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राष्ट्रीय और राज्य महामार्गों के किनारे वृक्षारोपण करते समय भविष्य में होने वाले सड़क चौड़ीकरण का ध्यान रखा जाए. इन मार्गों पर जामुन, बहावा, सुरंगी, पीपल, वट वृक्ष, नीम, अर्जुन जैसे देशी व छायादार वृक्ष लगाए जाएं. प्रत्येक क्षेत्र में भिन्न-भिन्न वृक्ष पनपते हैं, इस अनुसार रोपण किया जाए. वस्त्र उद्योग और विपणन जैसे विभाग भी इसमें सक्रिय भाग लें.

राज्य के राष्ट्रीय, राज्य महामार्गों और पालखी मार्गों के किनारे वृक्षारोपण की जिम्मेदारी अब वन विभाग को सौंपी जाएगी. गढ़चिरौली जिले में तेजी से उद्योग आ रहे हैं, इसलिए वहां बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण आवश्यक है. अगले वर्ष गढ़चिरौली में 1 करोड़ वृक्ष लगाने की योजना है, जिस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा.

इसके अलावा जोतिबा डोंगर क्षेत्र में भी वृक्षारोपण किया जाएगा. मराठवाड़ा के बीड, लातूर जैसे जिलों में वृक्षों की संख्या सबसे कम है. वहां विशेष अभियान चलाने के निर्देश वन विभाग को दिए गए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि 'बांस मिशन' को सभी विभागों का मिशन मानकर सबको मिलकर काम करना चाहिए.

बकरीद से पहले अबू आजमी का विवादित सवाल

मुंबई.

क्या शिवाजी के समय में मुसलमान नहीं थे?

बकरीद 2025 से पहले बकरों की कुर्बानी की परंपरा पर विवाद चल रहा है. इस बीच समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी ने बड़ा बयान दिया है. अबू आजमी ने दावा किया, "सांप्रदायिक लोगों ने यह तय कर लिया है कि किसी न किसी तरह से मुसलमानों को नीचा दिखाना है और उनके खिलाफ खड़े होना है. वहीं, अबू आजमी ने शिवाजी महाराज के शासनकाल की याद कर सवाल किया, "छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ क्या मुसलमान नहीं थे?

क्या वो मुसलमान उनके राज में ईद नहीं मानते थे? कोर्ट का विशालगढ़ में क़ुर्बानी के आदेश का हम स्वागत करते हैं." सपा विधायक अबू आजमी ने मुसलमानों की परंपरा का विरोध करने वालों पर तंज कसा. उन्होंने कहा, "कांवड़ हो, गणपति हो, हिन्दू भाइयों के त्योहार सड़क पर हो, उसपर हमें आपत्ति नहीं है, लेकिन मुसलमान अगर सड़क पर नमाज़ पढ़ लें तो उसका पासपोर्ट कैंसिल कर दिया जाएगा. देश में दो कानून हैं क्या?" इसी के साथ, अबू आजमी का कहना है कि बड़ी बड़ी सोसाइटी में लोग कुत्ता पाल सकते हैं, लेकिन मुसलमान क़ुरबानी का बकरा नहीं पाल सकता. लाउडस्पीकर मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च सब इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आपत्ति सिर्फ मस्जिद के लाउडस्पीकर पर है. ये दो कानून कैसे बना सकते हैं?

दो बांग्लादेशी महिलाएं अवैध रूप से रहने की दोषी

मुंबई.

मुंबई की एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने और रहने के जुर्म में दो बांग्लादेशी महिलाओं को पांच महीने की सश्रम कैद और 20-20 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है. यह मामला न सिर्फ त्वरित सुनवाई का उदाहरण है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर की जा रही सतर्क कार्रवाई का भी संकेत देता है. गिरफ्तार महिलाओं के नाम चांदनी माजी (24 साल) और तसलीमा मोडल (41 साल) है. मिली जानकारी के अनुसार दोनों को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट-4 ने इस साल की 2 जनवरी को घाटकोपर के वैतागवाड़ी इलाके और घाटकोपर पूर्व के रेलवे ट्रैक के पास से गिरफ्तार किया था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया की पुलिस को खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली थी कि इन इलाकों में कुछ विदेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं. इसके बाद पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद यह सामने आया कि दोनों महिलाएं अवैध रूप से भारत में घुसी थीं और फर्जी दस्तावेजों के जरिए खुद को भारतीय नागरिक बताकर कई सालों से पहचान छिपा रही थीं. पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर घाटकोपर पुलिस स्टेशन में इनके खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया. 1 मार्च को इस केस में चार्जशीट अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में दाखिल की गई थी. इसके बाद मामला एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट को सौंपा गया, जहां पुलिस और अभियोजन पक्ष ने यह प्रमाणित किया कि दोनों महिलाएं बांग्लादेशी नागरिक हैं और उन्होंने भारत में गैरकानूनी तरीके से प्रवेश किया था.

सितंबर के अंत तक घरेलू गैस पाइपलाइन बिछा दी जाएगी

छत्रपति संभाजीनगर.

छत्रपति संभाजीनगर शहर के 82 हजार घरों में बंद प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाने का काम 30 प्रतिशत पूरा हो चुका है। विस्फोटक विभाग से प्रमाण पत्र मिलने के बाद सितंबर के अंत तक श्रीगोंड्या से गैस छोड़ने की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, ऐसा दावा सांसद डॉ. भागवत कराड ने किया।

जुलाई के अंत तक न केवल घरेलू उपयोग के लिए, बल्कि वालुज और शेंद्रा दोनों औद्योगिक क्षेत्रों में बंद पाइपों के माध्यम से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाएगी, ऐसा भारत पेट्रोलियम के प्रमुख अक्षय वाधवा ने कहा। शहर के वार्ड क्रमांक 7, 9, 4 और 5 में बंद प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है। शहर में 1,555 किलोमीटर पाइप बिछाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें से 450 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। शेष काम पूरा कराने के लिए मनपा, अहिल्यानगर के वन विभाग और जिला कलेक्टर के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोटक विभाग द्वारा हर दो महीने में एक बार चार्ज होने वाली इस बंद पाइपलाइन से गैस छोड़ने की अनुमति मिलते ही यह कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

जिले में पाइप के जरिए साढ़े सात लाख गैस कनेक्शन देने का प्रयास किया जाएगा। इनमें से 82 हजार कनेक्शन पूरे हो चुके हैं। नई पाइप बिछाते समय शहर की कोई भी सड़क नहीं उखाड़ी जाएगी। जयकवाड़ी बांध के नीचे जो खुदाई का काम किया गया था, वही काम शहर में भी किया जाएगा, ऐसा वडवा ने कहा। केवल शेंद्रा और वालुज के लिए ही नहीं, बल्कि हाल ही में प्रमुख निवेश बने बिडकिन के लिए भी अलग से पाइप बिछाई जाएगी.

संत निवृत्तिनाथ पालकी 10 को पंढरपुर के लिए रवाना

नासिक.

मंदिर ने जानकारी दी है कि पंढरपुर में आषाढ़ी वारी उत्सव के लिए संत श्रेष्ठ निवृत्तिनाथ देवस्थान की दिंडी 10 जून को त्र्यंबकेश्वर से पंढरपुर के लिए प्रस्थान करेगी। संत निवृत्तिनाथ संस्थान ने पालकी समारोह के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। परंपरा के अनुसार, त्र्यंबकेश्वर से पूजा करने के बाद, महान संत निवृत्तिनाथ की पादुकाओं को चांदी के रथ में रखा जाएगा। प्रस्थान जुलूस के बाद, ताल मृदंग की ध्वनि के साथ रथ पंढरपुर के लिए रवाना होगा। संस्थान के अध्यक्ष एडवोकेट सोमनाथ घोटेकर ने इस बारे में जानकारी दी। पालकी समारोह बहुत भव्य और पारंपरिक होगा। वारकरियों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। पिछले साल की तुलना में, इस साल पालकी समारोह में कुछ नई डिंडिया शामिल होंगी। वे रास्ते में निवृत्तिनाथ समारोह में भाग लेंगे, एडवोकेट घोटेकर ने कहा। इस साल पंढरपुर तक रथ के लिए तीन जोड़ी बैलगाड़ियां हैं और करीब 30,000 वारकरी पालकी यात्रा के साथ जाएंगे। घोटेकर ने यह भी बताया कि अहिल्यानगरी से यह संख्या बढ़ेगी और निवृत्तिनाथ के रथ के साथ पंढरपुर तक एक लाख वारकरी जाएंगे। पालकी समारोह का पहला पड़ाव त्र्यंबकेश्वर के पास पेगलवाड़ी में महानिर्वाणी अखाड़े में होगा। मंदिर ने यह सुनिश्चित करने के लिए पानी, मोबाइल शौचालय आदि की व्यवस्था की है कि वारकरियों को अलग-अलग स्थानों पर रहने में कोई असुविधा न हो। पालकी त्र्यंबक, सातपुर, पंचवटी, पालसे, लोणारवाड़ी, खंबाले, घारेगांव, गोगलगांव, राजुरी, राहुरी, डोंगरगन में रुकेगी। अहिल्यानगर जिले में यह 23 जून से 5 जुलाई तक अहिल्यानगर, सकट, कर्जत, कोरेगांव, रावगांव, जेउर आदि में रुकेगी। इसके बाद दिंडी पंढरपुर के द्वार पर रुकेगी और पंढरपुर में प्रवेश करेगी।

मुंबई हमले में शहीद सिपाही को मिला प्रमोशन

मुंबई. महाराष्ट्र पुलिस के सिपाही ड्राइवर अरुण चित्ते, जो 26/11 मुंबई आतंकी हमले में वीरगति को प्राप्त हुए थे, उन्हें मरणोपरांत सहायक पुलिस उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है. यह पदोन्नति आदेश 1 जून से प्रभावी हुआ है. चित्ते 10 साल तक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय सालस्कर के चालक के रूप में कार्यरत थे.

26 नवंबर 2008 को आतंकियों मोहम्मद अजमल कसाब और अबू इस्माइल द्वारा पुलिस अधिकारियों पर की गई गोलीबारी में चित्ते शहीद हो गए थे. मुंबई पुलिस आयुक्तालय में मंगलवार को एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने अरुण चित्ते के परिवार को पदोन्नति आदेश सौंपा. इस मौके पर उनके परिवार को न केवल सम्मानित किया गया, बल्कि चित्ते की बहादुरी और बलिदान को भी सार्वजनिक रूप से सराहा गया. मुंबई पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से साझा की और इसे गर्व और भावुकता का क्षण बताया. मुंबई पुलिस ने अपने बयान में कहा, "हमारे लिए गर्व और भावनाओं से भरा दिन रहा.

बीजेपी के 27 विधायकों का मुझे फोन

मुंबई. उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने अपनी किताब 'नरकातला स्वर्ग' लॉन्च होने के बाद खूब तारीफ बटोरी है. अब संजय राउत ने दावा किया है कि किताब पढ़ने के बाद उन्हें बीजेपी के 27 विधायकों ने फोन किये और कहा कि एक बार में ही बैठकर वे पूरी किताब पढ़ गए. दरअसल, संजय राउत ने मनसे नेता संदीप देशपांडे का एक्स पोस्ट शेयर किया, जिसमें वे 'नरकातला स्वर्ग' पढ़ते दिख रहे हैं. इस तस्वीर के साथ राज ठाकरे के नेता ने कैप्शन में लिखा, "छुपाने के लिए कुछ नहीं है." इस पोस्ट को रीट्वीट करते हुए संजय राउत ने कहा- 'यह किताब सबके लिए है.' संजय राउत की किताब पर महाराष्ट्र में राजनीति तेज है. शिवसेना ने राउत की किताब में लिखी बातों पर कड़ा रोष व्यक्त किया और विरोध में पुस्तक जलाई. इसी के साथ पार्टी ने सांसद संजय राउत को 'सुपारीबाज' नेता बताााया और उनकी आलोचना की.

तीनों सेनाओं की महिलाओं ने रचा इतिहास

सफल समुद्री मिशन के बाद मुंबई वापसी

मुंबई.

भारत की समुद्री और सैन्य इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है. भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की महिला अधिकारियों की पहली अंतरराष्ट्रीय त्रि-सेवा नौकायन टीम मुंबई लौट आईं. इस दल ने 55 दिनों में करीब 3,600 नॉटिकल मील की चुनौतीपूर्ण समुद्री यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा किया. यह ऐतिहासिक अभियान 7 अप्रैल 2025 को मुंबई से शुरू हुआ था और अब 4 जून को समाप्त हुआ. इस अभियान का समापन समारोह मुंबई स्थित भारतीय नौसेना जलक्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित किया गया, जहां कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल ए.के. रमेश, एसएम ने टीम को सम्मानित किया. उन्होंने इस उपलब्धि को महिलाओं के नेतृत्व

में सैन्य परिचालन क्षमता का प्रेरणादायक उदाहरण बताया. इस ऐतिहासिक अभियान में आईएनएसवी 'त्रिवेणी' नौका का उपयोग किया गया. एक 50 फीट लंबी स्वदेशी फाइबर रिइनफोर्स्ड प्लास्टिक से बनी आधुनिक सेलिंग यॉट, जिसमें उपग्रह संचार, जीपीएस, आईएएस जैसे उन्नत नौवहन और संचार उपकरण मौजूद थे. 'त्रिवेणी' 60 दिनों की निर्बाध समुद्री यात्रा में सक्षम है और इसमें 1500 वर्ग फीट का मुख्य पाल क्षेत्र और सहायक पाल जैसे जेनोआ और स्पिनैकर भी हैं. 11 महिला अधिकारियों की इस टीम ने खुले समुद्र में अस्थिर मौसम, उष्णकटिबंधीय तूफान, मानसूनी हवाओं में उतार-चढ़ाव, उपकरणों में तकनीकी समस्याएं और थकान जैसी अनेक चुनौतियों का डटकर सामना किया. उत्कृष्ट प्रशिक्षण और मजबूत इरादों से लैस इस टीम ने टीमवर्क, नेतृत्व और समुद्री कौशल का जबरदस्त प्रदर्शन किया.

अमित ठाकरे का बयान | 'दोनों भाइयों को साथ देखना चाहता हूं'

मुंबई.

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता अमित ठाकरे ने गुरुवार को कहा कि गठबंधन मीडिया में बात करने से नहीं होता और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे को गठबंधन की किसी भी संभावना को लेकर एक-दूसरे से बात करनी चाहिए. राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई हैं. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने इस बात का संकेत देने वाले बयान देकर संभावित सुलह की अटकलों को हवा दे दी है कि वे "छोटे-मोटे मुद्दों" को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग दो दशक के कटुतापूर्ण मतभेदों के बाद हाथ मिला

सकते हैं. राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने संवाददाताओं से कहा, "दोनों भाइयों को बात करनी चाहिए. (दोनों के अलावा) इस मुद्दे पर हमारे बात करने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा. मुझे दोनों भाइयों के साथ आने से कोई दिक्कत नहीं है लेकिन मैंने 2014, 2017 (तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन करने के मनसे के असफल प्रयास का संदर्भ) में यह देखा है." उन्होंने कहा, "कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे, तब राज ठाकरे ने उनका समर्थन किया था. अगर वह (उद्धव) चाहें तो फोन कर सकते हैं. मीडिया में बात करने से गठबंधन नहीं होता. उनके पास एक-दूसरे के मोबाइल नंबर हैं, वे एक-दूसरे से बात कर सकते हैं." पिछले साल राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान अपने पहले चुनाव में हार का सामना करने वाले अमित ठाकरे की टिप्पणी शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के इस बयान के बाद आई है कि अगर कोई महाराष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए साथ आना चाहता है, तो "हम भी उन्हें साथ लेकर चलेंगे."

'छोटी-मोटी लड़ाइयां किनारे रखने के लिए हैं तैयार

❒ मनसे प्रमुख ने कहा है कि मराठी मानुस के हित में एकजुट होना कठिन नहीं है और उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह छोटी-मोटी लड़ाइयां किनारे रखने के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को तरजीह न दी जाए.

वैष्णवी हगवणे की मौत के बाद मराठा समाज जागा

पुणे. महाराष्ट्र के चर्चित वैष्णवी हगवणे केस के बाद मराठा समाज ने शादियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मराठा समुदाय ने तय किया है शादी समारोहों में धन-संपत्ति का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा बल्कि मराठा समुदाय में सादगीपूर्ण विवाह होंगे। महाराष्ट्र के पुणे पिछले महीने एनसीपी नेता की बहू वैष्णवी हगवणे की मौत के बाद दहेज का मामला चर्चा में आया था। इसके बाद यह मामला पूरे राज्य में छा गया था। विपक्ष ने एनसीपी नेता की बहू की मौत पर डिप्टी सीएम अजित पवार को निशाने पर लिया गया था। इसके बाद मराठा समुदाय और उसकी विवाह प्रथाओं को लेकर चर्चा शुरू हो गई। अब समुदाय ने वैष्णवी की मौत जैसे मामलों को रोकने के लिए पहल की है।

आज का राशिफल

मेष - आज खर्चों में वृद्धि हो सकती है। परिवार के बड़े-बुजुर्ग धन से जुड़ी कीमती सलाह दे सकते हैं।

वृषभ - सेहत पर आज नजर रखने की जरूरत है। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। आज का दिन आपके परिवार में खुशियों की सौगात ला सकता है।

मिथुन - आज फिट रहने के लिए दिन की शुरुआत एक्सरसाइज से करें। आपको आर्थिक लाभ होगा। प्रेमी-प्रेमिका के बीच अनबन हो सकती है।

कर्क - आज आपको घरेलू परेशानियां घेर सकती हैं लेकिन परेशान होने की जरूरत नहीं है आप इनका हल निकाल लेंगे। व्यापारिक उन्नति के संकेत हैं।

सिंह - आज आपको मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए अपने अतीत में जो भी पैसा निवेश किया था, उसका आज फल मिलेगा।

कन्या - आज आपका आर्थिक बोझ बढ़ेगा। अगर आप ग्रुप एक्टिविटी में शामिल होंगे तो आप नए दोस्त बनाएंगे। कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सफल रहेंगे।

तुला राशि- आज आपका आत्मविश्वास व एनर्जी बढ़ी हुई रहेगी। एनर्जी बढ़ने से कार्यों में गति आएगी। जीवनसाथी कठिन परिस्थितियों में आपका साथ देगा।

वृश्चिक - आज आपको निवेश से बचना चाहिए, वरना नुकसान हो सकता है। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अपनों का साथ मिलेगा।

धनु - आज मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए योग व ध्यान का सहारा लें। लंबी दूरी की यात्रा संभव है। आर्थिक रूप से दिन ठीक ठाक रहने वाला है।

मकर - आज का दिन आपके लिए खुशी व आनंद से भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके पिता की कोई सलाह फायदेमंद साबित हो सकती है।

कुंभ - आज आपको किसी पुरानी बीमारी से राहत मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है।

मीन - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। भवन या जमीन जायदाद के सुख में वृद्धि होगी।

जबरन शादी से परेशान लड़की पहुंची हाई कोर्ट

मुंबई. मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि बिहार में शादी के लिए माता-पिता के कैद में रखी गई युवती ने बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट से यह कहा कि वह अपने परिवार के किसी भी हस्तक्षेप के बिना पुणे में अकेले रहना और काम करना चाहती है. बता दें कि युवती के दोस्त ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी. युवती ने मदद के लिए अपने दोस्त को संदेश भेजा कर गुहार लगाई और यह कहा कि उसके माता-पिता ने उसके साथ मारपीट की और उसे उसकी इच्छा के खिलाफ शादी करने के लिए धमकाया भी जा रहा है.

दस्तावेज गुम हो गये

आम जनता को सुचित किया जाता है की, प्लॉट संख्या K-31/2/D, MIDC, हिंगना, नागपुर का दिनांक 21/02/1984 का पंजीकृत मूल लीज डीड जो रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के साथ क्रमांक 945 और 946 पर विधिवत पंजीकृत है वह दस्तावेज प्लॉट पर स्थित फैक्ट्री एवं गिरिपेठ, नागपुर में हमारे कार्यालय के बीच में गुम हो गया। उपरोक्त कागजात जिस किसी को भी मिलें, उसे पुरस्कृत किया जाएगा।

SOLAR4ALL
M : 9763243191 I 8830557063

जाहीर सुचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार **दिलीप वसंताराव किटे,** रहना प्रसाद कॉलनी बुटीबोरी, नागपूर व इतर ने **श्रीमती रचना रामकृष्ण वाघ व इतर** तारीख ०६/०७/२०२४ को खेती खरीदने का सौदा किया था, तथा तारीख २१/०८/२०२४ विक्री करारनामा किया था. इस विक्री करारनामा में खरीददार पक्ष को ९ महिने का वक्त दिया था फिर भी दिये हुए वक्त खरीददार पक्ष किसी भी प्रकार का विक्री करारनामा की शरते पूर्ण नही किये है और उस विक्री करारनामा काळ मर्यादा तारीख ३०/०५/२०२५ समाप्त हो चुकी है जिसके कारण हम सदर विक्री करारनामा जाहीर रूप से रद्द कर रहे है.

मालमता का वर्णन - खसरा क्र ४४ प.ह.क्र. ७५, मौजा किरणापूर तह जिल्हा नागपूर. इस सदर जाहीर सूचना का किसी भी प्रकार का आक्षेप हो तो यह ७ दिन अंदर संपर्क करे

नागपूर » दि.०६/०६/२०२५

VAIBHAV S BORKAR ADVOCATE
MOB.NO. 9325282206
Office: Flat No. 4, Block A-3, Vrundavan Apartment, Hennessey Road, Civil Lines, Nagpur-440001.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

NPL DR. NANDI PATH LAB — Committed to your Wellness. OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE. DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho) Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE. Mobile No.: 8767516249 | 7420869774. Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर — अलग-अलग प्रकार के फेशियल थ्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर मॅनीक्यूर-पेडिक्यूअर • स्कीन ट्रिटमेंट हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग पींपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स यहाँ ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं। अल्का व्हि. लाडे 9373108897 / 9373531205 प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स — कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी. हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है। ठोक व चिल्लर विक्रेता. JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है. M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY — Learn Music with Proper Exam Facility. Classes Conducted for • Vocal Classical Singing • Light Music (with Karaoke) • Zumba • Yoga • Crochet • Macrame • Drawing • Paper Crafts. <: Contact :> Mob - 9975757706, 9561674780. Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स — • 19 मे शिमला मनाली • 2 जून केरल कन्याकुमारी रामेश्वरम • 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन • 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्रा • 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान. संपर्क आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे 7498753939, 93095 96390 8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN RKS PUBLIC SCHOOL — NURSERY to Std. IX. OUR FACILITY Computer Lab • Cricket Karate Class • Swimming Pool Skating Class • Basket Ball. M. 8087955831 8956785080. Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM — GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX. VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor. AU Avani Udyog (MSEDCL Approved Vendor). Office Address: Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001. E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com. Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631. Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग — E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY Talkative, Funny & Tricky. Morning / Evening BATCHES. अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से. हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है। » STUDENTS » TEACHERS » HOUSEWIVES » JOB SEEKERS. NEW BATCHES I 5:00 PM TO 6:00 PM I 8:00 AM TO 9:00 AM. 9960462058, 7498325477. नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी. डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS — हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है. अफसर खान M. 9371381114, 7038696893. सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर — विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बॅड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड. उमेश्वर शामकुंवर M.9326760744. तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस — एस. सुधीर मो. 9372855880. डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग. प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस — आनंद ठेकेदार : 7219847962. बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर. हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे। "सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

सुविचार

इंसान कहता है कि पैसा आए तो कुछ करूँ, पैसा कहता है कुछ कर तू तो मैं आऊं.

संपादकीय

पढ़ने की उम्र में जुर्म

हिसार में सहपाठी द्वारा प्रतिशोध में कक्षा दस के एक छात्र की गोली मारकर की गई हत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। एक साल पहले स्कूल में डेस्क पर बैठने को लेकर विवाद की खुंदक आरोपी छात्र अपने दिमाग में पालता-पोसता रहा। फिर एक दिन सहपाठी को सुबह मिलने के बहाने बुलाया और अपने दादा के हथियार से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बेहद दुखद है और हर मां-बाप के लिये बेहद चिंता का विषय कि उनके बच्चे का सहपाठी भी इतना खूंखार हो सकता है। हमारे जिस समाज की प्यार, सामंजस्य व सहयोग के लिये मिसाल दी जाती थी, उसमें ये किशोर आखिर ऐसा भयानक कदम कैसे उठा रहे हैं? जिस उम्र में किशोरों को पढ़ना-लिखना था, उस समय में वे हिंसक गतिविधियों में क्यों लिप्त हो रहे हैं? दोषी तो आरोपी छात्र के अभिभावक भी हैं कि जिन्होंने घातक हथियार को लापरवाही से घर में छोड़ा, जिससे आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया। बताते हैं कि आरोपी छात्र के दादा सेना से सेवानिवृत्त हैं और एक बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि मृतक छात्र अपने परिवार में इकलौता था और अपने परिवार को हमेशा के लिये रोता-बिलखता छोड़ गया। एक समय अमेरिका व यूरोप में ऐसी घटनाएं सुनने में आती थी। अब ये किशोर अपराध हमारे दरवाजों पर भी दस्तक देने लगे हैं। समाज में व्याप्त नकारात्मकता व हिंसक प्रवृत्ति का किशोरों द्वारा अनुकरण करना हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी ही है। बीते मार्च में दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की ऐसी ही निर्मम हत्या हुई थी।

वजीराबाद की घटना में एक नौवीं के छात्र का अपहरण करके उसके परिजनों से दस लाख की फिरौती मांगी गई थी। छात्र की हत्या के बाद जांच में पता चला कि उसके अपहरण व हत्या में तीन किशोर संलिप्त थे। आए दिन स्कूल-कॉलेज विवाद में हिंसक घटनाएं हमें परेशान करती हैं। यदि कम उम्र के बच्चों व किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रतिशोध की प्रवृत्ति पर लगाम न लगी तो डर लगता है कि आने वाले समय में हमारे समाज का स्वरूप कैसे होगा। सवाल यह है कि आखिर किशोरों में आपराधिक प्रवृत्तियां क्यों पनप रही हैं। आखिर उन्हें मां-बाप का संघर्ष क्यों नहीं दिखाई देता कि वे कैसे उन्हें पाल-पोस व पढ़ा-लिखा रहे हैं? समाज विचार करे कि वे कौन से कारक हैं जो बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहे हैं।

आलेख

अकाल में कलाओं का विकास

होरेस ने कहा है कि ''प्रतिकूल या विषम परिस्थितियाँ प्रतिभा को प्रकट करती हैं तथा समृद्धि इसका लोप''। सामान्य व्यक्ति इस तथ्य को स्वीकार नहीं कर सकता और इसीलिए वह सामान्य रह जाता है आगे नहीं बढ़ पाता। सफल व्यक्ति वह है जो विषमताओं में भी अवसर खोज लेता है।

वस्तुत: जीवन की हर समस्या किसी बड़े लाभ के लिए अवसर का आधार प्रस्तुत करती है। यह बात केवल व्यक्ति के संदर्भ में ही नहीं अपितु समाज, राष्ट्र तथा विश्व के संदर्भ में भी उतनी ही सटीक लगती है। यह तो हुआ आर्थिक या व्यावसायिक पहलू लेकिन विषम या प्रतिकूल परिस्थितियाँ उत्तम साहित्य, संस्कृति और विभिन्न कलाओं के विकास के लिए भी कम उपयोगी आधार प्रस्तुत नहीं करतीं। समस्याएँ या कठिनाइयाँ जीवन का स्वाभाविक क्रम है। ये समस्याएँ प्राकृतिक भी हो सकती हैं और मनुष्य निर्मित भी। अकाल, बाढ़, भूकंप, महामारी, जंगलों की आग, ज्वालामुखी विस्फोट, तूफान और अब अंत में प्रचंड सूनामी लहरों का ताण्डव आदि न जाने कितनी प्राकृतिक आपदाओं से मनुष्य अपने आरंभिक काल से ही दो-चार होता रहा है। आज वैज्ञानिक प्रगति के युग में असावधनीवश भी अनेक आपदाएँ देखी जा सकती हैं। एयरक्रैश, रेल, बस या अन्य साधनों की दुर्घटनाएँ, गैसों का रिसाव, बड़ी बिल्डिंगों तथा औद्योगिक इकाइयों में आग व विस्फोट तथा और न जाने कितनी तरह की दूसरी दुर्घटनाएँ घटित होती ही रहती है। दूसरे विश्वयुद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए बम प्रहारों को कौन भूल सकता है लेकिन विध्वंस के मलबे से एक नये शक्तिशाली, प्रगतिशील और विकसित औद्योगिक जापान का उदय हुआ। खूबसूरत टाइटैनिक के जलसमाधि लेने से इस क्षेत्र की उन्नति पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा अपितु टाइटैनिक से अच्छे जलयान तैयार किये गए। किसी भी स्पेसशटल के दुर्घटनाग्रस्त या नष्ट होने से अंतरिक्ष कार्यक्रमों में और तेजी ही आई है। सुनामी हादसे को ही लीजिए। इसकी विनाशलीला जहाँ हमें भविष्य के प्रति आशंकित और आतंकित करती है, एक अनजाने भय में जकड़ती है, वहीं कुछ लोग इसमें अपार संभावनाएँ भी तलाशते हैं। एक बात तो निश्चित है कि पूरे घटनाक्रम ने सारे भेद-भाव भुलाकर एक बार तो सारे विश्व को नजदीक ला ही दिया है। संभव है यही संदेश देने के लिए प्रकृति ने इतनी बड़ी विनाशलीला रची हो। वैसे भी संसार के समस्त लोगों की सामूहिक सोच का ही परिणाम होती हैं प्राकृतिक आपदाएँ। जब सामूहिक सोच अत्यंत विकृत होकर सघन हो जाती है तब प्रकृति व्यग्र होकर इस प्रकार की आपदाओं को अंजाम देने के लिए विवश हो जाती है।

व्यंग्य

अमिताभ कुमार

सब चलता है

ठीक सौ साल पहले कविवर मैथिलीशरण गुप्त का जन्म हुआ था और तब से लगातार उनसे मिलने के प्रोग्राम मैं बनाता रहा, लेकिन अपनी व्यस्तता वश उनसे कभी न मिल सका। हारकर बेचारे अब से बाईस साल पहले अनंत यात्रा पर निकल गए और ताजा समाचार यह है कि आज तक नहीं लौटे हैं। कल उनकी 'भारत भारती' के पन्ने पलटने का चांस मिला तो यह देखकर परम प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रकवि भी ठीक मेरी ही तरह देश दशा से दुबले होते रहते थे। उनकी तस्वीरें गवाही देती हैं कि वे दुबले-पतले सज्जन थे और स्थिति यह है कि खाकसार भी वैसे ही हेल्थ का स्वामी है तथा भविष्य में राष्ट्रहित के लिए ककडीवत होने के लिए भी तैयार है। लेकिन अपना देश इतना महान और विशाल है कि मेरे जैसे लोक मंगलकारी प्राणी की सेवाएं प्रचुर मात्रा में नहीं ले रहा है। अन्यथा मेरे पास सेवा का थोक स्टाक है। अफसोस तो इस बात का है कि इधर हम अपनी प्राइवेट समस्याओं को शंटिंग में डालकर देशसेवा के लिए व्याकुल हैं और उधर सब चलता है। जी हां, सब चलता है। यह अकेला महामंत्र ही इस महामानव समुद्र को चला रहा है। आप कहीं भी कुछ भी करने के लिए परम फ्री हैं। आप किसी भी दफ्तर के किसी भी कमरे में जब चाहें तब ससम्मान प्रवेश कर सकते हैं। विद्यार्थी जब चाहें तब कक्षा में पधार सकते हैं और इच्छानुसार भी कर सकते हैं। रेलों और बसों को यह पूरी छूट प्राप्त है कि वे अपनी मर्जी से चलें और जनता को यह अधिकार प्राप्त है कि वह रेलों और बसों पर अपनी मर्जी से लदे। बोलने वाले को सुविधा मिली हुई है कि वह शांतिपूर्वक बोले और सुनने वाले को यह छूट उपलब्ध है कि वह शांतिपूर्वक सोए। हालात यह है कि हर दिशा में सुविधा एक्सप्रेस दौड रही है और हर एतराज का एक ही रेडीमेड जवाब है.. सब चलता है। यही कारण है कि बीच राह पर किसी गाय या बैल को अनशन की मुद्रा में विराजमान देख कर किसी सच्चे भारतवासी के मन में एक सेंटीमीटर भी आश्चर्य नहीं होता.

अशरफ़ बेलिम

कुर्बानी तक़वा पैदा करती है

वर्तमान भौतिकवादी युग में कुर्बानी रस्मों रिवाज, पाखंड और औपचारिकताओं की दिशा में बढ़ती जा रही है.

पवित्र क़ुरआन की सूरह हज की पंक्ति क्र 37 में अल्लाह तआला का इरशाद है कि "उनके मांस अल्लाह को पहुँचते हैं और न उनके रक्त। किन्तु उसे तुम्हारा तक़वा (धर्मपरायणता) पहुँचता है। इस प्रकार उसने उन्हें तुम्हारे लिए वशीभूत किया है, ताकि तुम अल्लाह की बड़ाई बयान करो, इसपर कि उसने तुम्हारा मार्गदर्शन किया और सुकर्मियों को शुभ सूचना दे दो"। पवित्र क़ुरआन की इस सूरह हज के माध्यम से पाठकों के लिए कुछ बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाना आवश्यक जान पड़ता है कि.

1) कुर्बानी का असली मकसद तक़वा और अल्लाह से सच्ची दोस्ती, लगन, मुहब्बत और ख़याल के अलावा या शिर्क से दिल का पाक और साफ़ होना है। यह पंक्ति में हमें एक बहुत ही अहम बात बताने जा रही है। कुर्बानी की तरह इसे एक रस्म के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। यह एक इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत है। इस सुन्नत में कुर्बानी का जानवर खरीद कर लाया गया और कुर्बान कर दिया गया से मुराद नहीं है बल्कि यह क़ुर्बानी दिल के जज़्बातों और उसकी नीयत और अल्लाह के साथ उसके रिश्ते के हिसाब-किताब का दर्जा रखती है। असल बात यह है कि कुर्बानी करने वाले की असली नीयत क्या है? उसकी भावनाएं क्या हैं? और वह अल्लाह के साथ अपना रिश्ता कितना जोड़ना चाहता है? जब हम अल्लाह की राह में किसी जानवर को ज़बह करते हैं तो अल्लाह उसके गोश्त और खून को नहीं देखता। वह यह नहीं देखता कि कितना खून बहा है या उसके सामने कितना गोश्त है। अल्लाह यहां यह देखता है कि बंदे ने जो काम किए हैं वे किस इरादे से किए हैं?

2) पुराने ज़माने में लोग जानवरों को ज़बह करके उसके ख़ून को या जानवर अपने बुतों के सामने रख देते थे। वे यह भी करते थे कि वे उसके ख़ून को काबा पर लगाया करते थे और उसके गोश्त को वहां रख देते थे। वे समझते थे कि हमने "नज़्र" चढ़ा दी है जिसे स्वीकार कर लिया जाएगा। लेकिन उस क्रिया को अस्वीकार करने के बाद ही पवित्र क़ुरआन की उपरोक्त पंक्ति अवतरित हुई। जिसका भावार्थ यह है कि यह तरीका ग़लत भी है और जिस इरादा से यह क़ुर्बानी की जा रही है वह भी ग़लत है।

3) क़ुर्बानी की नीयत पूरी तरह से अल्लाह के लिए ही होनी चाहिए। अल्लाह तआला यही देखना चाहता है कि जब कोई बंदा जानवर की क़ुर्बानी कर रहा है, तो उसके अंदर कितना तक़वा है। अल्लाह की कितनी नसीहत को उसने अपने दिल में जगह दी है।

4) अल्लाह तआला यह भी देखना चाहता है कि जब किसी इंसान को उसने माल दिया है और मिल्कियत में जानवर भी दिया है तब वह उसे ज़बह करता है तो वह अल्लाह से कितना रिश्ता बढ़ाना और मजबूत करना चाहता चाहता है।

5) आम तौर पर हमारे सामने ऐसे हालात पैदा हो गए हैं जो बहुत अफसोसजनक हैं कि कहीं न कहीं हमारे बीच रियाकारी, दिखावा मौजूद है। इसके चलते हमारे बीच उसकी होड़ लगी हुई है। रियाकार लोगों में ऐसे ख्याल पैदा होने लगे है कि बहुत महंगा और बड़े से बड़ा जानवर खरीदा जाए ताकि जिस इलाके में हम रहते हैं, वहां के लोगों को पता चले कि जानवर कितना महंगा है और फिर उसकी नुमाइश भी हो और चर्चा भी। इसी बीच लोग उसे बहुत सजाते हैं, बच्चे उसे घुमाते हैं। अल्लाह तआला का फरमान यही है कि अल्लाह तआला आपकी नीयत देखना चाहता है। इस संबंध में हमें इस हदीस पर ग़ौर करना चाहिए जिसमें कहा गया है कि "अमल का दारोमदार नीयत पर निर्भर करता है"। इसका मतलब यह है कि हर काम नीयत पर निर्भर करते हैं और हर इंसान को उसी के हिसाब से सवाब मिलेगा जो उसने अपनी नीयत से किया है। इस्लाम दरअसल पूरी तरह से नीयत पर निर्भर है कि आपकी नीयत क्या है और आपने किस नीयत से वह काम किया है। क्योंकि दिल के राज़ का हाल अल्लाह के अलावा कोई नहीं जान सकता, अल्लाह ही उसके भेद को जानता है। अगर नीयत साफ और पवित्र है, इंसान उसके मुताबिक ही अपने काम भी करता है। लेकिन अगर उसकी नीयत में खोट है तो उसके कामों में वह चीज़ कहीं न कहीं दिखाई देगी।

6) वर्तमान भौतिकवाद युग में कुर्बानी रस्मों रिवाज, पाखंड और औपचारिकताओं की दिशा में बढ़ती जा रही है, लोगों को दिखाने के लिए भी वह की जा रही है, लोगों को यह बताने के लिए कि हमने उस जानवर को कितना महंगा खरीदा है।

7) जानवर चाहे कद में छोटा ही क्यों न हो, लेकिन वह ईमानी तक़ाज़ों से भरा हो और क़ुर्बानी करने वाला अल्लाह की खुशी हासिल करना चाहता है, तो उसे चाहिए कि अब अपने अंदर तकवा पैदा कर ले और उसके तहत अगर वह कुर्बानी करता है, तो अल्लाह के नज़दीक यह बहुत पसंदीदा और मक़बूल अमल है।

8) कुर्बानी से जुड़ी एक बात यह भी है कि कुर्बानी असल में जानवर की कुर्बानी नहीं है। असल कुर्बानी नफ़्स की कुर्बानी है। इसी संबंध में अगर इस्लाम को एक शब्द में परिभाषित किया जाए कि इस्लाम क्या है तब हम इसे बहुत अच्छी तरह से परिभाषित कर सकते हैं, वह इस तरह से कि मानों इस्लाम का नाम इस्लाम नहीं हो सकता, तो फिर उसका नाम क्या हो सकता? अगर हम उसे एक शब्द में परिभाषित करें तो मुझे लगता है कि इस्लाम का दूसरा नाम कुर्बानी, सेक्रीफाइज़ है। यह कुर्बानी अपनी नफ़्स से शुरु होती है।

9) एतिहासिक महत्व और दृष्टि से अगर हमने दूत या नबियों (अलैहिस्सलाम) की जीवनी को सामने रखा तो जितनी कुर्बानियां पैग़म्बर अलैहिस्सलाम और पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने पेश की हैं वे बहुत ही उच्च स्तर की हैं। अगर हम पैगंबर नूह अलैहिस्सलाम के बारे में बात करते हैं तो पहला बलिदान जो उन्होंने किया वह उनका अपना बेटा था। अगर हम लूत अलैहिस्सलाम की बात करें तो उन्हें अपनी बीवी को छोड़ना पड़ा। अगर हम इब्राहीम अलैहिस्सलाम बात करें तो उन्होंने अपने माता-पिता को छोड़ना पड़ा। अपने वतन को छोड़ना पड़ा। अगर हम पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम की बात करें तो वहां यह दिखाई देता है कि आप (सल्ल) ने अपना पूरा परिवार, और अपने कुंबे को छोड़ दिया। उन्हें अपने महबूब वतन "मक्का" को छोड़ना पड़ा। ये महान नबियों की क़ुर्बानियां हैं।

10) अगर हम कुर्बानी की बात करें तो हमारे लिए इसकी शुरुआत इस बात से होती है कि सबसे पहले हमें अपने नफ़्स की कुर्बानी देनी चाहिए।

11) यह नफ़्स हमें ख्वाहिशों, इच्छाओं की पूर्ति की ओर आकर्षित करता है। सबसे पहले हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हमारी दौड़-धूप हमारी गतिविधियों की पात्रता, विद्वत्ता किसमें है। क्या हम दुनिया को पाने और दुनिया को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं या फिर अपना नाम कमाने की कोशिश कर रहे हैं या फिर खुद को ऊंचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बात पर हमें खास ध्यान देने और उसमें उचित सुधार करने की कोशिश करना चाहिए।

12) अगर हम आखिरत में ऊंचे इनाम पाने की ख़्वाहिश में उलझे हुए हैं तो समझ लीजिए कि ख़ुदा की मर्ज़ी से हम सही रास्ते पर चल रहे हैं।

13) अगर हमारे अंदर अल्लाह के दीन को कायम करने का ख्याल है और इस बारे में हमने अपने अंदर यह ख़्वाहिश पाल रखी है कि हम अपनी जिंदगी को अल्लाह के दीन की शान के लिए इस्तेमाल करेंगे तो इससे यह ज़ाहिर होता है कि हम सही रास्ते पर हैं। लेकिन अगर हम अपनी ज़िंदगी को दुनिया की तरक्की के लिए और दुख देने वाली चीज़ों को हासिल करने में लगा रहे हैं तो इससे जाहिर होता है कि हम गलत रास्ते पर चल रहे हैं। इन जानकारियों के साथ हमें उन बातों पर ध्यान देना चाहिए जिनसे क़ुर्बानी के साथ उन बुराईयों का अंत हो सके । उनमें सबसे पहले इंसान के अंदर जो घमंड, गुरूर, तकब्बुर है उसे ज़बह कर देना चाहिए। उसके अंदर जो रिया, पाखंड है उसे भी ज़बह कर देना चाहिए। उसके अंदर जो अहंकारी सोच है उसे भी ज़बह कर देना चाहिए। नफ़्सी हवसें, खुदगर्ज़ी, घमंड, अहंकार या रियाकारी है, उसे पहले ज़बह कर देना चाहिए। उसके अंदर जितनी भी बुराईयां है उन्हें सबसे पहले ज़बह कर देना चाहिए। उसकी ये कुर्बानी सबसे पहले अल्लाह के सामने पेश करनी चाहिए।

14) जानवर को ज़बह करना तो बहुत आसान है, जैसे कि हम जानवर खरीद कर लाए और उसे ज़बह कर दिया। लेकिन हमारे अंदर जो शैतानी भावनाएँ हैं उन्हें ज़बह करना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। सबसे पहले हमें इन पर ध्यान देना चाहिए ताकि हम इन चीज़ों को अपने अंदर से निकाल सकें।

15) जो बंदा खुद को अल्लाह का बंदा समझने का एहसास रखता है, तब उसे हर काम का हिसाब अल्लाह के सामने पेश करना होगा।

16) पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के आमाल कुर्बानी के समतुल्य थे। ये आमाल अल्लाह की खुशी को हासिल करने के लिए होते हैं। इनका एहसास हमारे दिलों में होना चाहिए जो बहुत महत्वपूर्ण है। ये सब-कुछ चीज़ें अल्लाह की ख़ुशी हासिल करने के साथ तक़्वा को परवान चढ़ाती हैं। तक़्वा की परिभाषा और चर्चा बहुत बड़ा विषय है। तक़्वा का मतलब है कि अल्लाह का डर हमारे दिल में हो। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। तकवा ही एक ईमान वाले बंदे को परिभाषित करता है। तक़्वा वाले लोग जो भी कार्य करते हैं वे धर्म के अनुरूप होते हैं। इसलिए बंदे को आख़िरत में सफलता पाने के लिए ईमानदारी से अपनी त्याग की भावना को पेश करना चाहिए।

शुक्रवार स्पेशल

शिवराज्याभिषेक के साथ किलों पर भी हो सरकार का ध्यान

छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक 6 जून 1674 को हुआ था। उस उपलक्ष्य में, हर साल 6 जून को शिवराज्याभिषेक समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें राज्याभिषेक समारोह से राजनेताओं को कुछ सीखना चाहिए। आज, महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास के सर्वोच्च नेता छत्रपति शिवाजी महाराज हैं। राज्याभिषेक समारोह के अवसर पर, सरकार को राज्य में बढ़ते अत्याचार, भ्रष्टाचार, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी और गरीबी को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। साथ ही, हमें शिवाजी के आदर्श वाक्य को याद रखना चाहिए, जो है कि सरकार को "भूखे को भोजन और लोगों की सेवा" की पद्धति के साथ आगे बढ़ना चाहिए। केवल इसके माध्यम से हमें शिवाजी महाराज का सच्चा दर्शन मिलेगा। शिवाजी के सपने को साकार करने के लिए, सरकार को सभी किलों की खेती करनी चाहिए। जब महाराजा ने रैयतों के जीवन के लिए मुगलों से हाथ मिलाया, तभी हिंदवी स्वराज्य की स्थापना हुई। इसलिए सरकार और राजनीतिक नेताओं को शिवाजी महाराज के आदर्शों को ध्यान में रखना चाहिए और लोगों के सुख-दुख में भाग लेना चाहिए। शिवाजी महाराज का जन्म 19 फरवरी 1630 को हुआ था। इसलिए, हर साल 19 फरवरी को शिव जयंती मनाई जाती है। इसी तरह, अन्य संभावित तिथियों में से, 6 अप्रैल 1627 (वैशाख शुद्ध तृतीया) को भी जन्म तिथि माना जाता है। तदनुसार, महाराष्ट्र के बाहर कई लोग वैशाख शुद्ध तृतीया को शिव जयंती का दिन मानते हैं। महाराष्ट्र में, शिव जयंती की तारीख महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन उनके कर्म, उनका बलिदान, रैयतों की जिम्मेदारी और लाखों सैनिकों के साथ हमला करने वाले मुगल साम्राज्य का अंत महत्वपूर्ण था। जिस तरह शिवजयंती हर घर में मनाई जाती है, उसी तरह "राज्याभिषेक समारोह" हर घर में मनाया जाना चाहिए। शिवाजी महाराज की जन्म तिथि या राज्याभिषेक को महत्व देने के बजाय, सभी को इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि शिवाजी महाराज उनके दिल और दिमाग में कैसे फिट बैठते हैं। आज की परिस्थिति में शिवाजी महाराज के आचरण को अपनाने वालों को लोगों की सेवा और समस्याओं को महत्व देने की आवश्यकता है। यहीं पर हम श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का वास्तविक राज्याभिषेक समारोह देखेंगे। शिवाजी महाराज जितनी सेवा कोई नहीं कर सकता। लेकिन मैं विशेष रूप से शासकों और राजनीतिक नेताओं से कहना चाहूंगा कि अगर हम लोगों की समस्याओं, भूखे लोगों के लिए भोजन और रोजगार पर ध्यान देंगे, तो मुझे लगता है कि शिवाजी महाराज का सपना निश्चित रूप से साकार होगा। जब तक सूर्य और चंद्रमा, आकाश और पाताल मौजूद हैं, हम हर घर में और हर किसी के दिल में शिवाजी महाराज का आनंद देखेंगे। मैं कहूंगा कि शिव जयंती या राज्याभिषेक समारोह हर दिन मनाया जाना चाहिए और शिवाजी महाराज की मिठास को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। तभी भारत में एक नहीं बल्कि लाखों शिवाजी पैदा होंगे। क्योंकि सभी जानते हैं कि जब एक मावला एक हजार मुगलों पर भारी था, तब ही शिवाजी महाराज पूरे किले जीतने में सक्षम थे। शिवाजी महाराज ने अपनी वीरता पूर्ण कविता से मुगल साम्राज्य और मुगल साम्राज्य को समाप्त कर दिया और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की। इसीलिए शिवराज्याभिषेक समारोह बहुत धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाता है। महाराष्ट्र सहित पूरा भारत इस पर गर्व करता है। आज भारत की जो गौरवशाली कहानी हम सुनते और देखते हैं, उसका पूरा श्रेय शिवाजी को जाता है। शिवाजी महाराज महाराष्ट्र सहित पूरे भारत की अजेय शक्ति हैं। शिवराज्याभिषेक के अवसर पर, शिवाजी महाराज के विचार समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचने चाहिए। उन्हें पूरे विश्व में ज्ञान के राजा, रैयतों के राजा, हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक के रूप में जाना जाता है। इसीलिए शिवाजी महाराज का नाम न केवल महाराष्ट्र या भारत में बल्कि पूरे विश्व में सम्मान से लिया जाता है। दार्शनिक और इतिहासकार शिवाजी महाराज का अध्ययन करने के लिए भारत आते हैं। 19 फरवरी को 111 से अधिक देशों में शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जाती है। ऐसा कहा जाता है कि शिवाजी महाराज के पास घोड़ों की भी कई नस्लें थीं। वह अच्छी तरह जानते थे कि कब कौन से घोड़े का उपयोग करना है। शिवाजी महाराज के पास मोती, विश्वास, तुरंगी, इंद्रायणी, गाजर, रणबीर, कृष्ण नामक 7 घोड़े थे। हिंदवी स्वराज्य की स्थापना करते समय शिवाजी महाराज ने लगभग 400 किलों को अपने शासन में लाया था। कुछ किले उन्होंने खुद बनाए और कुछ किले उन्होंने युद्ध के माध्यम से जीते। महाराज का एक किला वास्तुकला, प्रबंधन और गोरिल्ला कविता का प्रतीक था। इसलिए, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि महाराष्ट्र के सभी किलों का रखरखाव और सुसज्जित किया जाना चाहिए। यह शिवाजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कहानी

अमिताभ कुमार

रिटायरमेंट की पेंशन

देर रात से ही कामता प्रसाद की खांसी तेज हो गयी। रह-रहकर खून की दो-चार उल्टियाँ भी हो गयी। धर्मपत्नी काफी घबराई हुयी थी। कामता प्रसाद ने सुभद्रा को ढाढ़स बंधाने की असफल चेष्टा की। एक सुभद्रा ही तो थी जो अब तक कामता प्रसाद का साथ निभा रही थी। आखिर सुभद्रा उनकी धर्मपत्नी थी और किसी स्त्री के लिए संसार की सबसे अनमोल चीज उसका पति होता है। इस बात को सुभद्रा अच्छे से समझती और इस हालत में कामता प्रसाद के लिए एकमात्र सहारा वही तो थी। ऐसा नहीं था कि कामता प्रसाद के कोई संतान न थी। सुभद्रा ने अपनी कोख से चार पुत्र तथा दो पुत्रियों को जना था। उनमें से दो तो जन्म के कुछ ही दिनों पश्चात मृत्यु का वरण कर चुके थे। स्वयं कामता प्रसाद सरकारी महकमे में मुंशी थे। जो भी वेतन मिलता इतने बड़े परिवार के भरण-पोषण में खर्च हो जाता। कामता प्रसाद हमेशा तंगी में ही रहे। फिर भी अपने बच्चों की परवरिश में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। अच्छी शिक्षा दिलाने का ही परिणाम था कि आज उनके जीवित बचे दोनों पुत्र सरकारी महकमे में उच्च पदों पर आसीन थे। पूरे सेवाकाल में बड़ी मुश्किल से जो थोड़ी-बहुत बचत की उससे रहने हेतु एक छोटा-सा घर भी बन गया। दोनों पुत्रियों की शादी भी उन्होंने अच्छे से कर दी और वे दोनों अपने घर खुश थे। पुत्रियों के विवाह में उनके सर काफी कर्ज भी चढ़ गया जिससे वे अपनी नौकरी के अंतिम दिनों में ही उबर सके। दोनों पुत्र का विवाह भी हो गया और अपने परिवार के साथ वे दोनों घर से काफी दूर रहते थे। शुरू-शुरू में तो दोनों वर्ष में एकाध बार आ ही जाते परंतु समय के साथ यह अंतराल बढ़ता चला गया। बहुओं के उपेक्षित व्यवहार के कारण सुभद्रा भी कभी उनलोगों के पास जाने का साहस नहीं जुटा सकी और कामता प्रसाद ने भी पुत्रों के पास जाने के लिए सुभद्रा पर कभी दबाव नहीं बनाया। धीरे-धीरे उनलोगों के पत्र आने भी बंद हो गए और स्वयं को निःसंतान मान कामता प्रसाद और सुभद्रा ने हृदय कठोर करके एक-दूसरे का सहारा बनकर जीवन जीने का दंभ झेलने लगे। पिछले पांच वर्ष से तो पुत्रियों की भी कोई खोज-खबर नहीं थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो सबने ही कामता प्रसाद और सुभद्रा को भुला दिया हो। कामता प्रसाद को सरकारी सेवा से अवकाश ग्रहण किये साल भर से ऊपर होने को आये। अचानक से वेतन बंद हो जाने से वे आर्थिक तंगी झेल रहे थे। पेंशन कार्यालय का चक्कर लगाते- लगाते उनके जूते घिस गये फिर भी उनका पेंशन निर्धारित नहीं हो सका। कई बार तो फाइलों को ईधर-उधर करवाने में चढ़ावा तक देना पड़ा। तिस पर से वे टी0 बी0 के मरीज भी हो गये। जो भी थोड़ी-बहुत जमा पूँजी थी वह भी पिछले एक साल में घर के आटा-दाल का खर्च चलाने में समाप्त हो गये.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

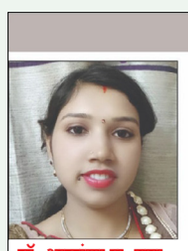
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शुक्रवार, 6 जून 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

पर्यावरण दिवस के मौके पर लॉयड मेटल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से 11 लाख वृक्ष लगाने का निश्चय करने के साथ गोंडवाना विद्यापीठ में पेड़ लगाए गए...

कांग्रेस को धार्मिक स्थल का राजनीतिक उपयोग नहीं करने देंगे: राणे

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिले मे पिछले आठ दिनों से गढ़चिरोली कॉंग्रेस कमिटी के द्वारा "दर्शन दीजिए देवा भाऊ" इस अभियान के अंतर्गत सेमाना देवस्थान नाम के धार्मिक स्थल पर राजनीतिक फायदा उठाने के लिए 6 जून को अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए महायज्ञ करने का आयोजन कॉंग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है इस प्रकार किसी धार्मिक स्थल का राजनीतिक उपयोग कॉंग्रेस पार्टी द्वारा किये जाने के उद्देश पर सत्ताधारी भाजपा शिवसेना के द्वारा अभी तक किसी प्रकार का विरोध नही किया गया है इस वजह से हिंदू जनता की धार्मिक भावना भडकाने की कोशिश कॉंग्रेस पार्टी के द्वारा किये जाने की कोशिश होने के बावजूद सत्ताधारी पार्टी ने मौन रखने के कारण लोगो के बीच अनेक प्रकार के सवाल उठाये जा रहे है. इस विषय पर आज गडचिरोली जिले मे आए राज्य के मत्स्य विभाग के मंत्री नितेश राणे से पूछे जाने पर उन्होने कहा की कॉंग्रेस पार्टी द्वारा जो धार्मिक स्थल पर राजनीति करण करने की कोशिश की जा रही है इसका हम मुंहतोड जबाब देंगे और कांग्रेस चाहे तो किसी दूसरी जगह पर अपना राजनीतिक उल्लू साध सकते हैं लेकिन इस तरह हिन्दू लोगों की धार्मिक भावना भड़काने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी के द्वारा धार्मिक स्थल का घिनौना उपयोग करने का विरोध हमारी पार्टी द्वारा किया जायेगा। आनेवाले 6 जून को महायज्ञ का राजनीतिक रूप देने का या फिर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को टार्गेट करने का जो प्रयत्न कॉंग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है उसके लिए सत्ताधारी पार्टी के द्वारा क्या जवाब दिया जाता है ये आनेवाली 6 जून को ही दिख पाएगा।

नए रूट की बस सेवा का इंतजार

यात्रा में कठिनाई; बसों की कमी के कारण लंबी दूरी तय करनी पड़ती है

कोरपना.

कोरपना तालुका को जिवती तालुका से जोड़ने वाले दो सीधे मार्ग और झरी जामनी तालुका को जोड़ने वाले एक मार्ग का निर्माण हुए काफी समय हो गया है। लेकिन आश्चर्य की बात है कि इस मार्ग पर अभी तक एक भी बस फेरी शुरू नहीं हुई है। कोरापाना से, कुसल-धनकदेवी और कन्हलगांव-सवलहिरा से होते हुए येल्लापुर और तेलंगाना राज्य की सीमा से जिवती तालुका तक जिवती तक जाएं, और पारदी-खतेरा (पैनगंगा नदी पुल) के माध्यम से झरी जमानी और वाणी तालुका तक भी जाएं। आने-जाने के लिए मार्ग तैयार किया गया है।

आजादी के कई दशकों के बाद इस मार्ग के निर्माण से दोनों क्षेत्रों के बीच संचार और बाजार संबंध मजबूत हुए हैं। लेकिन अध्यात्मि पवेतो राज्य परिवहन महामंडल ने इस मार्ग पर एक भी बस सेवा शुरू नहीं की है। इसलिए नागरिकों के पास अपने स्वयं के वाहन और ऑटो रिक्शा के अलावा आने-जाने के लिए कोई दूसरा विकल्प नहीं है। साथ ही इस मार्ग पर अन्य वाहनों का आवागमन भी बढ़ गया है। इसलिए इस मार्ग पर बस सेवा शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है। कोरपना से धनकदेवी से जिवती, भारी, केरमेरी, आसिफाबाद और येल्लापुर होते हुए आदिलाबाद, उटनूर, गाडीगुड़ा, परमडोली और साथ ही खटेरा होते हुए मुकुटबन, झरी, पंढरकवड़ा आदि तक बस सेवा शुरू की जा सकती है। लेकिन इसकी अनदेखी की जा रही है। उस मार्ग पर कोई बस भी नहीं है, चंद्रपुर तालुका के अंतरगांव-भोयगांव मार्ग पर तथा गड़चांदूर-बनोजा मार्ग पर सड़क की स्थिति के कारण वाणी जाने वाली बसें बंद होने के बाद इस महत्वपूर्ण मार्ग पर एक भी बस सेवा शुरू नहीं की गई है। इसका असर इस मार्ग पर रहने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा है। लेकिन ऐसा लगता है कि इस ओर ध्यान देने का किसी को समय नहीं है।

किसी व्यक्ति का चरित्र ही उसकी सच्ची महिमा है

प्रो. डॉ. प्रशांत महाराज ठाकरे, कोरपना तालुका प्रतिनिधि मनोज गोरे

कोरपना.

"व्यक्ति का चरित्र ही उसका सच्चा वैभव है, यही उसकी सबसे बड़ी सम्पत्ति है" यह प्रेरणादायी वक्तव्य एच.बी.पी. प्रो. डॉ. प्रशांत महाराज ठाकरे ने कहा। वे कोरपना में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कीर्तन में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम शनिवार 31 मई को भारतीय जनता पार्टी नगर की ओर से जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय कोरपना में आयोजित किया गया था। कीर्तन में एच.बी. पी. प्रो. डॉ. प्रशांत महाराज ठाकरे ने अहिल्यादेवी होल्कर के कार्यों की प्रशंसा करते हुए समाज को सही दिशा देने वाले व्यक्तित्वों के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने प्रभावी और हृदयस्पर्शी कीर्तन के माध्यम से उन्होंने श्रोताओं को जीवन के मूल्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा, "चरित्र के बिना शिक्षा, धन और प्रतिष्ठा निरर्थक हैं। इसलिए, सभी को चरित्रवान व्यक्ति बनने का प्रयास करना चाहिए।" इस कार्यक्रम में एच. बी.एच. ने भाग लिया। पी. विट्ठल महाराज डाखरे, एच. बी.एच. पी. मिनाथ महाराज पेटकर के साथ भाजपा तालुका अध्यक्ष संजय मुसले, भास्करराव मुसले, उत्तम मोहितकर, आबिद अली, किशोर बावने, शशिकांत अडकिने, आशीष ताजने, पुंडलिक उलमाले, नगरसेविका गीता दोहे, नगरसेविका सविता तुमराम, नगरसेविका आशाताई ज़ादे, महिला तालुका अध्यक्ष जोशना वैरागड़े, सत्यवान घोटेकर। प्रो. संजय थावरी, पुंडलिक उलमाले। इंदिरा कोल्हे, शोभा अगलावे, शांताराम डेकर, सुनील बावने, सुभाष तुरनकर इसमें प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का परिचय भाजपा तालुका अध्यक्ष संजय मुसले ने दिया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा शहर अध्यक्ष अमोल असेकर ने किया, जबकि पवन बुरेवार ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पवन मोहितकर, अबरार अली, सुनील डेकर, सचिन डाखरे, जितेंद्र पिंपलकर, अभय दोहे, अतुल असेकर, लक्ष्मीकांत जाधव, उदय डाखरे, प्रतीक बिडवाइक ने अथक परिश्रम किया। इस कार्यक्रम में कोरपना शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

सामाजिक गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा विवाह समारोह

पजारे परिवार का अनुकरणीय कदम

चंद्रपुर. विवाह समारोह का मतलब हर्षोल्लास, धूमधाम और खर्चीला कार्यक्रम होता है, लेकिन कुछ सामाजिक रूप से जागरूक लोगों ने सामाजिक संवेदनशीलता पैदा करके और पारंपरिक तरीकों और रीति-रिवाजों को तोड़कर 6 जून को पजारे परिवार द्वारा विवाह समारोह आयोजित कर एक सकारात्मक सामाजिक संदेश देने की कोशिश की है। इस अनूठे विवाह समारोह में विकलांगों को सहायक उपकरणों का वितरण और मुख्यमंत्री सहायता निधि योजनाओं की जानकारी शामिल है। पजारे परिवार के नीलेश पजारे के विवाह का पंजीकरण होने के बाद सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

नीलेश पजारे खुद विकलांग हैं और पिछले कई वर्षों से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जिले में विकलांगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। पजारे परिवार ने निमंत्रण पत्र में भी स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि इस अवसर पर गुलदस्ते और किसी भी तरह के उपहार नहीं दिए जाएंगे। पजारे परिवार ने एक अनुकरणीय संदेश देने की कोशिश की है कि सामाजिक जागरूकता बनाए रखते हुए शादी जैसे कार्यक्रम को भी अनूठे और सार्थक तरीके से मनाया जा सकता है।

मानिकगढ़ सीमेंट वर्क्स ने लिंगनदोह गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

गडचंदूर.

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा 4 जून को एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मानिकगढ़ कंपनी समाज के लोगों के लिए विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को क्रियान्वित करती है। स्वास्थ्य ही धन है। यह स्वास्थ्य शिविर अल्ट्राटेक कंपनी और नोबल एजुकेशन संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया था। शिविर में स्वास्थ्य जांच और रक्त परीक्षण किए गए। रक्त परीक्षण में बीपी, शुगर, पीलिया और एचआईवी शामिल थे। नोबल शिक्षण संस्थान के गोपाल पोरलावार, परियोजना समन्वयक वैभव टेंगसे. चिकित्सा अधिकारी, मधुकर मंत्र, परामर्शदाता, सनी वारखडे, ओरेगन, वेस्ट वर्जीनिया, मयूर जनावड़े, ओ.आर., डब्लू के सहयोग और ग्रामीणों के सहयोग से यह स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया और कुल 60 लाभार्थियों को लाभ मिला। ग्रामीणों ने अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, माणिकगढ़ सीमेंट वर्क्स सीएसआर टीम को धन्यवाद दिया।

गांवों का विकास 'वनपाटिल-वनपाटलिन' की अवधारणा के माध्यम से संभव है

चंद्रपुर.

वन हमारे जीवन के फेफड़े हैं, पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने वाले ऊर्जा-स्रोत हैं। लेकिन आज के समय में वन केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं हैं , बल्कि वे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन का आधार भी बन सकते हैं।

इसलिए राज्य सरकार को वन आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विशेष नीति लागू करनी चाहिए। इससे वन से सटे गांवों के युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा और साथ ही वन पर्यटन को नई ताकत मिलेगी, ऐसी मांग विधायक किशोर जोरगेवार ने वन मंत्री गणेश नाईक से की। वन क्षेत्र में महिलाओं के राष्ट्रीय सम्मेलन वनशक्ति 2025 का उद्घाटन राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक ने किया। इस अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार बोल रहे थे। राजुरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवराव भोंगले, वरोरा भद्रावती विधानसभा क्षेत्र के विधायक करण देवताले और वन विभाग के सभी अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए सांसद किशोर जोरगेवार ने कहा कि वनों का सर्वांगीण संरक्षण जरूरी है। इसके लिए स्थानीय भागीदारी जरूरी है। इसके लिए " वनपाटिल और वनपाटलिन " इस संकल्पना को कार्यान्वित किया जाना चाहिए। यदि ग्राम पंचायत स्तर पर वन पाटिल और वन पाटलिन के पदों के लिए चुनाव होते हैं, तो उस गांव के नागरिक वन संरक्षण की निर्णय प्रक्रिया में सीधे शामिल हो सकते हैं। यदि इन पदों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व होता है, तो मानव ही वन नेतृत्व की महत्वाकांक्षी अवधारणा को बढ़ावा मिलेगा। इस अवधारणा के माध्यम से, जंगल के पास के गाँव न केवल वन संरक्षण केंद्र बनेंगे , बल्कि विकास के केंद्र भी बनेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, विधायक किशोर जोरगेवार ने विश्वास व्यक्त किया कि जंगल के साथ एक-दूसरे के पूरक होने से इस क्षेत्र के लोगों का विश्वास बढ़ेगा।

वन विभाग ने पेड़-पौधों की रक्षा के लिए नई पहल शुरू की

चंद्रपूर. चंद्रपुर वन मंडल के तहत वन और संरक्षण प्रकोष्ठ को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, यह मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं का तुरंत जवाब देने के लिए रामबाग बस्ती में एक एकल वन नियंत्रण प्रकोष्ठ स्थापित करने की प्रक्रिया में है। पूर्व पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री फायर मुनगंटीवार ने इस नियंत्रण वर्ग का दौरा किया और मशीन के बारे में जानकारी ली।

टोल-फ्री रेटिंग उपलब्ध हैः क्लास कंट्रोल चार्ट टोल-फ्री नंबर 18003033 है। यदि चंद्रपुर वन विभाग से वन विभाग के बारे में कोई जानकारी चाहिए, तो उसे तुरंत प्राप्त कर लिया जाता है। इससे विभाग के काम के बारे में जानने में मदद मिलती है। यह ध्यान में रखते हुए कि वास्तव में सीखने को अवलोकन या अध्ययन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। नियंत्रण नियंत्रण नियंत्रण समिति 11 अक्टूबर 2024 को जारी की गई थी। यह कमरा अब स्थापित किया गया है।

एक स्थान पर घटना का विवरणः 'वन नियंत्रण

कक्ष' चंद्रपुर वन मंडल का मध्यस्थ है और सामूहिक रूप से चंद्रपुर वन मंडल में घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने में मदद करता है। इसके माध्यम से, चंद्रपुर वन सर्कल और तडोबा अंधी टाइगर रिजर्व के सभी वन कर्मचारियों के साथ गीगा वाहनों के वास्तविक समय के आभूषण उपलब्ध हैं। मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले में, वन विभाग के पास ऐसे उपकरण हैं जो आरआरटी टीम को संबंधित विभाग के साथ समन्वय करने में मदद करते हैं।

फैक्टरी व्हीकल जंगल सोलो स्क्रीनः वन नियंत्रण कक्ष 24 घंटे चलने वाला भोजनालय है। यह क्लासमार्टवन कार्यक्षमता वन नियंत्रण के लिए एक नए एंड्रा ऑक्साइड ऐप के साथ आई है। ऐप का उपयोग वन रक्षकों से लेकर वन रेंज के अधिकारियों तक के कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए किया गया है। यदि अखाद्य नुकसान की जानकारी मिलती है, तो संबंधित वन रक्षक, वनपाल और वन क्षेत्र के अधिकारियों को ऐप के माध्यम से रिश्वत मिलती है। वन नियंत्रण कक्ष के लिए कार्गो वाहन, सुधा फा रेस्तरां के पास एक एकल स्क्रीन बस है। यदि अधिकारी शहर में हैं, तो उनके विद्रोह की घटनाओं के बारे में जानकारी वाहन का पता लगाने में मदद करती है।

अक्षय कुमार की हॉरर एंट्री

श्रद्धा-कार्तिक को मिलेगी कड़ी टक्कर!

अक्षय कुमार अब धीरे-धीरे कर ट्रैक पर वापस लौट रहे हैं. एक के बाद एक फ्लॉप दे रहे खिलाड़ी कुमार को बस एक हिट की तलाश है. यूं तो इस साल रिलीज हुई 'स्काईफोर्स' और 'केसरी चैप्टर 2' भी हिट लिस्ट में नहीं है. लेकिन दूसरी फिल्म से अक्षय कुमार ने फैन्स को काफी इम्प्रेस किया. अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' 6 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. उससे पहले ही उन्होंने 1000 करोड़ी डायरेक्टर के साथ हाथ मिला लिया है. अक्षय कुमार के हाथ एक बड़ी हॉरर फिल्म लग गई है.

जी हां, आज तक आपने अक्षय कुमार को हॉरर कॉमेडी फिल्म करते देखा है. 'भूल भुलैया', 'लक्ष्मी बॉम्ब' में कॉमेडी भी थी. अगले साल 'भूत बंगला' भी आ रही है. पर यहां प्योर हॉरर फिल्म की बात हो रही है. जिसमें एक्टर ने अबतक किस्मत नहीं आजमाई. पर पीपिंगमून की रिपोर्ट से पता लगा कि जल्द ही ट्रेडिशनल हॉरर फिल्म से धूम मचाने को तैयार हैं.

नई रिपोर्ट से पता लगा कि फोकलोर बेस्ड हॉरर फिल्म के लिए अक्षय कुमार की बातचीत चल रही है. यह कोई और नहीं 'पठान' और 'वॉर' के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद हैं. जो शाहरुख खान की 'पठान' से 1000 करोड़ छाप चुके हैं. हालांकि, अक्षय कुमार की हॉरर फिल्म का पूरा फोकस पिता-बेटी के रिश्ते पर होगा. साथ ही इसे बड़े स्केल पर बनाया जाएगा. हॉरर फिल्म में हैवी वीएफक्स का इस्तेमाल भी होगा, जिससे लोगों को थिएटर्स में बेहतरीन एक्सपीरियंस मिले.

इस फिल्म को कोई नया डायरेक्टर बनाएगा. वहीं, सिद्धार्थ आनंद इसे मरफ़्लिक्स बैनर के तले प्रोड्यूस करने वाले हैं. दरअसल अक्षय कुमार और सिद्धार्थ आनंद पिछले साल से ही ऐसे प्रोजेक्ट पर चर्चा कर रहे थे, जिससे साथ काम कर सके. साल की शुरुआत में मिलन लुथरिया के डायरेक्शन वाली एक्शन फिल्म पर बात हुई थी. पर यहां बात नहीं बन पाई.

जब किसी प्रोजेक्ट पर बात फाइनल नहीं हुई, तो इस हॉरर फिल्म के लिए सिद्धार्थ आनंद ने अक्षय कुमार से कॉन्टैक्ट किया. 3-4 महीने पहले ही एक्टर के पास यह प्रोजेक्ट गया था. पर कहानी सुनने के बाद उन्हें पसंद आई है. रिपोर्ट के मुताबिक, एक्टर को फिल्म साइन करने में अभी वक्त लगेगा. दरअसल फिल्म की स्क्रिप्टिंग फिलहाल आखिरी फेज में है, पर अक्षय को कहानी अच्छी लगी है.

ठग लाइफ' की एंट्री से हिली हाउसफुल 5

अकेले चमके कमल हासन

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सलमान खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत आज से करीब 37 साल पहले की थी. उन्होंने पहली फिल्म में सपोर्टिंग एक्टर के रूप में काम किया था. जबकि दूसरी फिल्म से बतौर लीड एक्टर एंट्री ले ली थी. सलमान खान अपनी 'नो किसिंग पॉलिसी' को लेकर भी चर्चा में रहते हैं. हालांकि आपको बता दें कि अभिनेता अपनी दूसरी ही फिल्म में खुद से किया गया ये वादा तोड़ने वाले थे. ठग लाइफ आज यानी 5 जून को रिलीज़ हो गई है, जबकि हाउसफुल 5 का रिलीज़ होना अभी बाकी है. फिर भी दोनों फिल्मों के क्लैश में इंट्रस्ट के मामले में ठग लाइफ हाउसफुल 5 पर बीस पड़ती दिख रही है. खबर लिखे जाने तक बुक माय शो पर इंट्रस्ट के मामले में कमल हासन की ठग लाइफ को 8 लाख 10 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले हैं. वहीं दूसरी तरफ हाउसफुल 5 को 1 लाख 61 हज़ार लोगों ने ही लाइक किया है. बुक माय शो के आंकड़ों से साफ है कि लोगों की पसंद के मामले में तो ठग लाइफ ने हाउसफुल 5 को पछाड़ दिया है. हालांकि फिल्म पहले दिन कितनी कमाई करती है इसका पता तो बाद में ही चल पाएगा.

हाउसफुल 5 बॉलीवुड की पहली फिल्म है, जिसके एक नहीं दो प्रिंट रिलीज़ होंगे. दोनों में अलग अलग क्लाइमैक्स होगा. यानी फिल्म पूरी एक ही होगी लेकिन अंत दोनों का अलग होगा. ये फिल्म स्टारकास्ट नंबर्स की वजह से भी चर्चा में है. इसमें 19 नामी एक्टर्स ने काम किया है. अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के अलावा फिल्म में सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिज, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, चित्रांगदा सिंह, रंजीत, सौंदर्य शर्मा और निकितिन धीर जैसे कई सितारे दिखाई देंगे.

आमिर की 'सितारे जमीन पर' थिएटर के बाद कहां रिलीज होगी?

आमिर खान 'सितारे जमीन पर' नाम की एक फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं. ये फिल्म 20 जून को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है. जब भी कोई फिल्म सिनेमाघरों में लगती है, तो उसके 2-3 महीने बाद वो फिल्म किसी न किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होती है. हालांकि, फिलहाल तो ऐसा लगता है कि 'सितारे जमीन पर' किसी ओटीटी ऐप पर रिलीज नहीं होगी. आमिर ने खुद इस बारे में बात की है. दअरसल, कुछ समय पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि थिएटर के बाद आमिर अपनी इस फिल्म को यूट्यूब पर पे पर व्यू के आधार पर रिलीज करेंगे. हालांक, आमिर का कहना है कि वो ऐसा नहीं कर रहे हैं. उनकी फिल्म यूट्यूब पर रिलीज नहीं हो रही है. मीडिया से बातचीत करते हुए आमिर ने कहा, "एक कंफ्यूजन है, जिसे में दूर करना चाहता हूं. ये फिल्म सिर्फ और सिर्फ थिएटर्स में रिलीज हो रही है.

आमिर ने कहा कि वो भी उन सब बातों को पढ़ रहे हैं, जो उनकी फिल्म के बारे में हो रही हैं, लेकिन वो सब सच नहीं है. उनकी फिल्म थिएटर में आ रही है. हाल ही में बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 'सितारे जमीन पर' के लिए नेटफ्लिक्स ने आमिर को 125 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है. हालांकि, आमिर का कहना है कि उन्होंने ओटीटी राइट्स बेचने के ऑफर भी ठुकरा दिए.आमिर ने कहा, "थिएट्रिकल रिलीज के बाद क्या होगा, उसका मुझे कोई आइडिया नहीं है. मैं आपके प्रति 100 प्रतिशत ईमानदार रहना चाहता हूं. मेरे पास कई सारे ऑफर्स थे, लेकिन मैंने सबको ना कह दिया.

शिष्य से सीएम तक का सफर योगी बायोपिक का टीज़र रिलीज

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज 53 साल के हो गए हैं. 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में जन्मे योगी आदित्यनाथ अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं. इस खास मौके पर उनके जीवन पर बन रही फिल्म 'अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' का टीजर भी जारी कर दिया गया है. इसमें योगी आदित्यनाथ का किरदार निभा रहे अभिनेता लोगों का ध्यान खींच रहे हैं.

योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन के खास मौके पर मेकर्स ने उन्हें बड़ा तोहफा दिया है. टीजर में उनके सब कुछ छोड़कर संन्यास की राह पर चलने की जर्नी को दिखाया गया है. टीजर में इमोशन और बलिदान का शानदार मिश्रण देखने को मिला है. वहीं फिल्म में उनके बचपन से लेकर अब तक की यात्रा को पेश किया जाएगा. ये कहानी है योगी के साहस और हिम्मत की, जिन्होंने

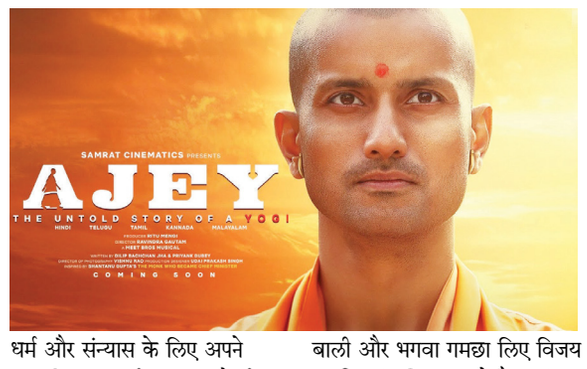

धर्म और संन्यास के लिए अपने घर परिवार का भी कम उम्र में ही त्याग कर दिया था. इसके बाद वो कैसे राजनीति के भी सिरमौर बन गए इसकी झलक भी पिक्चर में दिखाई जाएगी.योगी आदित्यनाथ का किरदार बड़े पर्दे पर अभिनेता अनंत विजय जोशी निभाते हुए नजर आएंगे. वो योगी के लोगों की सेवा करने के उद्देश्य को बड़े पर्दे पर सार्थक करने के लिए तैयार हैं. सीएम योगी की तरह ही भगवा रंग के वस्त्र, माथे पर तिलक, कानों में बाली और भगवा गमछा लिए विजय काफी पसंद किए जा रहे हैं. अनंत के अलावा फिल्म 'अजेय' में परेश रावल, निरहुआ, अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, राजेश खट्टर, गरिमा सिंह और सरवर आहूजा भी अहम रोल में नजर आएंगे. टीजर में परेश रावल योगी के लिए कह रहे हैं, "वो कुछ नहीं चाहता था, सब उसे चाहते थे, वो शिष्य बनने आया था, पर जनता ने उसे सरकार बना दिया." ये पिक्चर 1 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

अनिल कपूर की भतीजी शनाया का बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर की भतीजी और संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर की बॉलीवुड डेब्यू की चर्चा लंबे समय से हो रही है. हालांकि, अब ये इंतजार कुछ समय में पूरा होने वाला है. वो 'आंखों की गुस्ताखियां' नाम की फिल्म से डेब्यू कर रही हैं, जिसे संतोष सिंह ने डायरेक्ट किया है. शनाया के अपोजिट फिल्म में विक्रांत मैसी नजर आने वाले हैं.

ये फिल्म रस्किन बॉन्ड की किताब 'द आइज हैव इट' पर बेस्ड है. इसमें विक्रांत एक ऐसे म्यूजिशियन का किरदार निभा रहे हैं, जो देख नहीं सकता है. शनाया कपूर का किरदार भी एक दृष्टिहीन लड़की का है. दोनों की मुलाकात ट्रेन में होती है. उसके बाद दोनों एक दूसरे पर अपना दिल हार बैठते हैं. आगे टीजर में दिखाया गया है कि दोनों एक दूसरे के प्यार में खो जाते हैं, साथ में जिंदगी जीते हैं, लेकिन दोनों की जिंदगी में गम भी आते हैं.

इस टीजर में सिंगर विशाल मिश्रा का म्यूजिक है, जो इस वीडियो को और भी खास और दिल छू लेने वाला बनाता है. टीजर देखकर लग रहा है कि मेकर्स एक खूबसूरत प्रेम कहानी पर्दे पर दिखाने वाले हैं. मिनी फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को मानसी बागला, वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है. ओपन विंडोज फिल्म्स कंपनी भी इस फिल्म से जुड़ी हुई है.

शनाया एक और फिल्म पर काम कर रही हैं, जिसका नाम है 'तू या मैं'. इस फिल्म को आनंद एल राय प्रोड्यूस कर रहे हैं. शनाया के साथ फिल्म में आदर्श गौरव नजर आने वाले हैं. वहीं दोनों ही कंटेंट क्रिएटर के किरदार में दिखेंगे. ये भी रोमांटिक फिल्म है, जिसे मेकर्स ने साल 2026 में वेलेंटाइन डे पर लाने का फैसला किया है.

टीआरपी रेस में 'अनुपमा' टॉप पर

हर हफ्ते की तरह इस बार भी वीरवार के दिन टीवी शोज की टीआरपी रिपोर्ट रिलीज हो चुकी है. इस बार आईपीएल 2025 की वजह से कई शोज की रेटिंग में गिरावट देखने को मिली है. लेकिन रूपाली गांगुली के शो 'अनुपमा' ने सबको पीछे छोड़ते हुए पहले नंबर पर अपना कब्जा कर लिया है. वहीं दूसरे नंबर पर 'ये रिश्ता' रहा. नीचे देखिए टॉप 5 में किसने जगह बनाई.

टीवी के इन शोज ने बनाई टॉप 5 में जगह

1. अनुपमा - रूपाली गांगुली का पॉपुलर शो 'अनुपमा' हर बार की तरह इस बार भी पहले नंबप पर रहा है. शो को इस हफ्ते 2.0 की रेटिंग मिली है. दरअसल शो में एक लीप देखने को मिला है. जिसमें अनुपमा का नया सफर मुंबई में दिखाया गया. यही वजह है कि शो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है.

2. ये रिश्ता क्या कहलाता है - टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर इस हफ्ते 1.9 रेटिंग के साथ मृद्धि शुक्ला और रोहित पुरोहित की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' रहा. शो ने इस बार 'उड़ने की आशा' को कड़ी टक्कर दी है. इस शो में भी हाल ही में 7 साल का लीप देखने को मिला.

3. उड़ने की आशा - वहीं कंवर ढिल्लों और नेहा हरसोरा का शो 'उड़ने की आशा' इस बार खिसकर तीसरे नंबर पर आ गया है. इस शो को 1.9 की रेटिंग मिली है.

4. एडवोकेट अंजलि अवस्थी - इस लिस्ट में चौथे नंबर पर श्रीतामा मित्रा और अंकित रायजादा के शो 'एडवोकेट अंजलि अवस्थी' ने कब्जा किया. शो को 1.4 की ही रेटिंग मिली है. बता दें कि ये एक कोर्ट रूम ड्रामा शो है.

भोजपुरी शेरनी अक्षरा सिंह हुईं इमोशनल!

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. फिलहाल वो अमेरिका में हैं और हर दिन वहां का कोई ना कोई वीडियो शेयर करती रहती हैं. अक्षरा सिंह डांस वीडियो और तस्वीरों के अलावा फनी वीडियोज भी बनाती हैं. 4 जून को अक्षरा सिंह ने ऐसा ही एक फनी वीडियो शेयर किया, जिसमें वो कुछ ऐसी एक्टिंग कर रही हैं, जिसे देखकर आपकी हंसी छूट जाएगी.

अक्षरा सिंह को अमेरिका में बिहार झारखंड एसोसिएशन नॉर्थ अमेरिका की तरफ से अप्प्रेसिअशन अवार्ड मिला है और इसी सिलसिले में अक्षरा अमेरिका गई थीं. इसके बाद वो अपनी मेकअप आर्टिस्ट और दोस्त कशिश जैन के साथ घूम रही हैं और एक से बढ़कर एक फनी वीडियोज भी शेयर कर रही हैं.एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने बिना कैप्शन का ये फनी वीडियो शेयर किया है. इसमें वो किसी पार्क में बैठी हैं और सिर दुपट्टा ओढ़ हुआ है. इस वीडियो में उनके साथ उनकी दोस्त कशिश जैन भी बीच मे नजर आती हैं. इसी वीडियो में अक्षरा सिंह इमोशनल होने की एक्टिंग करती हैं और कहती हैं कि आज पति का फोन आया और बोल रहे थे बाबू घर आ जाओ.इसके बाद वीडियो में कहती हैं 'सच में मेरा मन भी खुश हो गया, लेकिन पता नहीं किसका पति था.' इस रील के एंड में वो हंसने लगती हैं. अक्षरा सिंह के इस वीडियो पर फैंस जमकर हंसने वाली इमोजी शेयर कर रहे हैं. अक्षरा सिंह का ये वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है और वो भी अमेरिका में अपनी दोस्त के साथ जमकर मस्ती कर रही हैं, जिससे जुड़े पोस्ट वो शेयर करती हैं. अमेरिका में अक्षरा अपने कुछ रिलेटिव्स से भी मिलीं जिसकी तस्वीरें और वीडियो वो पहले ही शेयर कर चुकी हैं.

शादी के एक दिन बाद ही काम पर लौटीं हिना खान

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हिना खान ने बीते दिन यानि 4 जून को अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल संग शादी कर ली है. दोनों की शादी की तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं. लेकिन हैरानी की बात ये है कि हिना खान शादी के एक दिन बाद ही काम पर लौट आई है. एक्ट्रेस हाल ही में कोरियाई एक्सपो में पहुंची. जहां नई दुल्हन कैजुअल लुक में दिखी. हिना खान शादी एक दिन बाद ही काम पर लौट आई हैं. एक्ट्रेस को पैपराजी ने आज सुबह कोरियाई एक्सपो में स्पॉट किया. जहां पर एक्ट्रेस बेहद स्टाइलिश और किलर लुक में दिखी. हिना ने ऑरेंज टॉप के ऊपर ब्लैक जैकेट पहनी हुई है. एक्ट्रेस के हाथों में शादी की मेहंदी नजर आई. जिसे उन्होंने कैमरा के सामने भी फ्लान्ट किया. आंखों पर चश्मा लगाकर एक्ट्रेस ने अपना लुक पूरा किया है.बता दे कि हिना खान हाल ही में कोरिया पर्यटन की एंबेसडर चुनी गई थी. ऐसे में उनका इस प्रोग्राम में शामिल होना बहुत जरूरी थी. इसलिए एक्ट्रेस शादी के तुरंत बाद यहां पर पहुंची.

भोजपुरी में सनी लियोनी का जलवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी की फैन फॉलोविंग लाखों में है और देश-विदेश हर जगह लोग उन्हें पसंद करते हैं. सनी लियोनी ने हिंदी सिनेमा के साथ-साथ भोजपुरी सिनेमा में भी खुशी-खुशी काम कर लिया, हालांकि उन्होंने सिर्फ एक म्यूजिक वीडियो ही किया है, लेकिन वही गाना अब तक करोड़ों बार यूट्यूब पर देखा जा चुका है. सिंगर नीलकमल सिंह के साथ सनी लियोनी ने एक भोजपुरी गाना किया है, जो सुपरहिट हो चुका है. नीलकमल के म्यूजिक वीडियो में सनी लियोनी ने एक्ट किया है और वो बेहद खूबसूरत नजर आई हैं. इस गाने को सनी लियोनी के चाहने वालों के साथ-साथ भोजपुरी दर्शकों ने भी खूब प्यार दिया है. इस म्यूजिक वीडियो को यूट्यूब पर 10, 20 या 50 नहीं, बल्कि 88 मिलियन व्यूज मिले हैं जो अपने आप में बड़ी बात है. 5 दिन पहले टी-सीरीज ऑफिशियल के इंस्टाग्राम पेज से गाने की एक झलक शेयर की गई थी. जिसके कैप्शन में बताया गया कि इस गाने के 10 मिलियन स्नैप बन चुके हैं और ये बहुत कुछ कहता है. लड़की दीवानी की वाइब हर तरफ है. यूट्यूब पर ये गाना सुने और अपना ढेर सारा प्यार बनाए रखें. इसके साथ ही सनी लियोनी, नीलकमल सिंह और आशुतोष तिवारी को टैग किया गया.टी-सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर ये गाना 18 मार्च 2025 को अपलोड किया गया था.

आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2025 की बेस्ट 11 चुनी

नई दिल्ली. भारत के पूर्व खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2025 के खत्म होने के बाद इस टूर्नामेंट की बेस्ट 11 चुनी है. सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि इस 11 में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल और दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल को उन्होंने शामिल नहीं किया है. इन दोनों ही खिलाड़ियों ने इस सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन किया था, हालांकि इसके बावजूद उन्हें प्लेइंग 11 में जगह नहीं मिली है.

आकाश चोपड़ा ने चुनी टीम ऑफ द टूर्नामेंट

आकाश चोपड़ा की आईपीएल 2025 की टीम में आरसीबी के तीन खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जबकि एक पंजाब किंग्स का भी है. आकाश चोपड़ा ने ओपनर के रूप में अपनी टीम में विराट कोहली और साई सुदर्शन को शामिल किया है. साई सुदर्शन आईपीएल 2025 के ऑरेंज कप विजेता थे जिन्होंने 15 मैच में 759 रन बनाए थे. दूसरी ओर विराट कोहली ने 15 मैच में 657 रन जड़े थे. सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि पूर्व खिलाड़ी ने अपनी टीम में शुभमन गिल को शामिल नहीं किया है. शुभमन गिल का प्रदर्शन भी इस सीजन में धमाकेदार रहा था और उन्होंने 15 मैच में 650 रन बनाए थे. गिल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर गुजरात टाइटंस की ओपनिंग की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली थी.

हालांकि इसके बावजूद शुभमन गिल को टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जगह नहीं मिली है. इसके अलावा आकाश चोपड़ा ने केएल राहुल को भी नहीं चुना है जिन्होंने 13 मैच में 53 के ऊपर के औसत से 539 रन बनाए राहुल ने इस सीजन में ओपनर के

साथ-साथ मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज की भी भूमिका शानदार तरीके से निभाई है. चोपड़ा ने नंबर तीन पर जॉस बटलर को टीम में शामिल किया है जबकि नंबर चार पर उन्होंने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को जगह मिली है.

मिडिल ऑर्डर में इस खिलाड़ी को किया गया शामिल

नंबर पांच पर सूर्यकुमार यादव को जगह मिली है. बता दें कि, सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2025 के अपने हर मैच में 25 से ज्यादा रन बनाए. उन्होंने मुंबई इंडियंस के हर मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी की. इसके बाद नंबर 6 पर उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस को रखा है. डेवाल्ड ब्रेविस चेन्नई टीम में रिप्लेसमेंट के रूप में आए थे और उन्होंने बहुत ही कम मैच में अपनी छाप छोड़ी. उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए फैंस का दिल जीत लिया. इसके बाद चोपड़ा ने क्रुणाल पंड्या को टीम में शामिल किया है. क्रुणाल पंड्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए आरसीबी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. धाकड़ ऑलराउंडर ने इस सीजन में तीन प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीते थे. गेंदबाज के रूप में आकाश चोपड़ा ने अपनी टीम में जसप्रीत बुमराह को जगह दी है जिन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में गिना जाता है. एकमात्र स्पिनर आकाश चोपड़ा ने नूर अहमद को चुना है. चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए नूर अहमद ने इस सीजन में 14 मैच में 24 विकेट झटके थे और पर्पल कैप की दौड़ में वह दूसरे पायदान पर फिनिश किये.

प्रसिद्ध कृष्णा को भी मिली जगह

आकाश चोपड़ा ने अपनी टीम में प्रसिद्ध कृष्णा को भी शामिल किया है जिन्होंने 15 मैच में 25 विकेट झटके थे और वह पर्पल कैप विजेता थे. प्रसिद्ध कृष्णा ने इस पूरे सीजन में धमाकेदार गेंदबाजी की थी. टीम ऑफ द टूर्नामेंट में जॉश हेजलवुड को भी शामिल किया गया है. जॉश हेजलवुड ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए शानदार गेंदबाजी की थी और विरोधी टीम के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था. उन्होंने 12 मैच में 22 विकेट हासिल किए थे. आकाश चोपड़ा ने चार इंपैक्ट खिलाड़ी के विकल्प में लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श, हार्दिक पंड्या, नमन धीर और हरप्रीत बरार को चुना है.

आकाश चोपड़ा की बेस्ट आईपीएल 2025 की 11

साई सुदर्शन, विराट कोहली, जॉस बटलर, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, क्रुणाल पंड्या, जसप्रीत बुमराह, नूर अहमद, जॉश हेजलवुड, प्रसिद्ध कृष्णा.

अक्षर पटेल के संन्यास की खबर से मचा हड़कंप

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 के खत्म होने के साथ ही भारतीय क्रिकेटर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल सुर्खियों में आ गए हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है और दावा किया जा रहा है कि उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. जिसके बाद क्रिकेट जगत में तहलका मच गया है. अक्षर पटेल को इस बार इंग्लैंड दौरे के लिए भी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है, जिसके चलते उनके फैंस और ज्यादा परेशान हो गए हैं.

अक्षर पटेल ने किया संन्यास का ऐलान?

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें अक्षर को यह कहते हुए सुना गया कि 'मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं तक था.' जिसके बाद फैंस के बीच चिंता की लहर दौड़ गई. हालांकि, अब इस खबर की सच्चाई सामने आ गई है, और यह वीडियो फर्जी साबित हुआ है. दरअसल, यह वीडियो एआई

की मदद से बनाया गया है, जिसमें अक्षर की आवाज और तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया. अक्षर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है, और वह अभी भी क्रिकेट में सक्रिय हैं. इस वीडियो में अक्षर पटेल रिटायरमेंट स्पीच देते नजर आ रहे हैं. अक्षर कहते नजर आ रहे हैं, 'यह बहुत महत्वपूर्ण ऐलान है. मेरे लिए यह ऐलान करना आसान नहीं है. क्रिकेट ने मुझे सबकुछ दिया. मेरी पहचान, आपका प्यार, लेकिन हर सफर का अंत होता है. शायद मेरा और क्रिकेट का सफर यहीं खत्म हो गया.'

आईपीएल 2025 में कप्तानी का मिला मौका

यह पहली बार नहीं है जब किसी क्रिकेटर के नाम पर फर्जी खबरें वायरल हुई हैं, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों के प्रति सतर्कता की जरूरत को उजागर किया है. बता दें,

वह हाल ही में आईपीएल में खेलते हुए नजर आए थे. लेकिन उनकी टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए यह सीजन निराशाजनक रहा. उनकी टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी. वहीं, ये पहला मौका था जब उन्होंने आईपीएल में किसी टीम को फुल टाइम कप्तान बनाया गया. अक्षर ने इस सीजन में 12 मैचों में 263 रन बनाए और 5 विकेट भी लिए.

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषित

नई दिल्ली. भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है. ये सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा है. इस सीरीज के पहले मैच के लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इंग्लैंड ने शुरुआती मुकाबले के लिए कुल 14 खिलाड़ियों को शामिल किया है. यह टेस्ट 20 जून 2025 को हेडिंग्ले में शुरू होगा. बेन स्टोक्स की कप्तानी में टीम खेलने उतरेगी. जिसमें जो रूट, ओली पोप और बेन डकेट जैसे सीनियर खिलाड़ी शामिल हैं. वहीं, कुछ युवा खिलाड़ी भी चुने गए हैं.

इंग्लैंड क्रिकेट टीम में तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन की वापसी हुई है, जबकि उनके सरे के साथी गस एटकिंसन चोट के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे. जैसे जैक क्रॉली, हैरी ब्रूक, सैम कुक और जैकब बेथेल जैसे स्टार खिलाड़ी भी इस स्क्वॉड का हिस्सा हैं. वहीं, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी शोएब बशीर पर होगी. जबकि तेज गेंदबाजी आक्रमण में जेमी ओवरटन के साथ जोश टंग, क्रिस वोक्स, और ब्रायडन कार्स शामिल हैं. जॉनी स्मिथ बतौर विकेटकीपर इस स्क्वॉड में चुने गए हैं. जेमी ओवरटन के लिए ये एक बड़ा मौका है.

महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2025 की धमाकेदार शुरुआत

पुणे. महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत हो चुकी है. इस बेहतरीन टूर्नामेंट का पहला मुकाबला रत्नागिरी जेट्स और ईगल नासिक टाइटंस के बीच में पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया था. इस मैच में ईगल नासिक टाइटंस के युवा सलामी बल्लेबाज मंदार भंडारी ने धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम के लिए बहुमूल्य शतक बनाया. मंदार भंडारी ने अपनी इस पारी के दौरान रत्नागिरी जेट्स के किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और सभी के खिलाफ तगड़ा प्रहार किया.

महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2025 के पहले शतकवीर बने मंदार भंडारी

मंदार भंडारी महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2025 के पहले शतकवीर बन चुके हैं. उन्होंने मात्र 48 गेंद पर अपना शतक पूरा किया. युवा सलामी बल्लेबाज ने अपनी इस पारी के दौरान 12 चौके और 6 छक्के जड़े. उन्होंने इस मैच में 56 गेंद पर 112* रन बनाए. इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए रत्नागिरी जेट्स ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 194 रन बनाए थे. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज धीरज पतंगड़े ने 47 गेंद पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 81* रन की तूफानी पारी खेली. धीरज के अलावा कप्तान अजीम काजी ने 42 रन बनाए. ईगल नासिक टाइटंस की ओर से तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने चार ओवर में 43 रन देकर तीन विकेट झटके. जवाब में मंदार भंडारी की शतकीय पारी की वजह से ईगल नासिक टाइटंस ने इस मैच को 10 गेंद रहते हुए जीत लिया. मंदार भंडारी ने शुरुआत से ही आक्रामक क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था. टीम को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी और उन्होंने किसी को भी निराश नहीं किया.

मंदार भंडारी का ये महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में दूसरा शतक है

बता दें कि, मंदार भंडारी ने महाराष्ट्र प्रीमियर लीग 2024 में भी शतक बनाया था. उन्होंने छत्रपति शिवाजी किंग्स के खिलाफ जड़ा था. हालांकि उसे मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. रत्नागिरी जेट्स के खिलाफ मैच में उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की और अपनी टीम को जीत दिलाई. मंदार भंडारी के अलावा साहिल पराख ने 46 रन का योगदान दिया.मंदार भंडारी अपने प्रदर्शन से काफी खुश होंगे. वे अपने इसी फॉर्म को आगे जारी रखना चाहेंगे.

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा एयरपोर्ट पर आए नजर

बेंगलुरु. भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बेंगलुरु में हुई भगदड़ के बाद एयरपोर्ट पर अनुष्का शर्मा के साथ देखा गया. बता दें कि, आईपीएल 2025 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज की थी. इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम बुधवार को बंगलूरू पहुंची थी. इस दौरान कर्नाटक सरकार ने खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए भव्य आयोजन किया था. हालांकि, भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ मच गई जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ एयरपोर्ट से निकल रहे हैं. वह मुंबई वापस आ चुके हैं. जब विक्ट्री परेड के दौरान ये घटना हुई थी उसके बाद विराट कोहली ने कहा था, 'मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं. पूरी तरह से टूट गया हूं.' सभी लोग इस घटना से काफी निराश थे. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 33 लोग घायल हो गए. इसकी जानकारी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दी.

शशांक सिंह की जुझारू पारी ने जीता दिल

बेंगलुरु. आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच एक रोमांचक जंग का गवाह बना. भले ही यह खिताबी मुकाबला आरसीबी ने 6 रन से जीतकर अपनी पहली ट्रॉफी हासिल कर ली, लेकिन पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी का दिल जीत लिया. ये खिलाड़ी पंजाब की टीम को जीत दिलाने के लिए आखिरी ओवर तक लड़ता हुई नजर आया और टीम को जीत ना दिलाने पर बीच मैदान फूट-फूट कर रोने लगा.

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह इस मैच में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. उन्होंने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी का दिल जीत लिया. शशांक ने फाइनल में 30 गेंदों पर नाबाद 61 रन की ताबड़तोड़ पारी

खेली, जिसमें 6 छक्के और 3 चौके शामिल रहे. खासकर आखिरी ओवरों में उन्होंने जोश हेजलवुड जैसे अनुभवी गेंदबाज के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया और टीम को जीत के करीब पहुंचाने की पूरी कोशिश की. हालांकि, सीनियर खिलाड़ियों के जल्दी आउट होने के बाद दबाव बढ़ गया. शशांक ने अकेले दम पर लड़ाई जारी रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जरूरी रन नहीं बना सके, और पंजाब को हार का सामना करना पड़ा. मैच खत्म होने के बाद शशांक मैदान पर ही भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े.

हार का गम उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था. फैंस ने सोशल मीडिया पर उनकी इस पारी की जमकर तारीफ की और उन्हें असली फिनिशर करार दिया. कई फैंस ने उनकी हिम्मत और दबाव में शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भारतीय टीम में शामिल करने की मांग भी उठाई. शशांक सिंह की कहानी प्रेरणादायक है. छत्तीसगढ़ के भिलाई में जन्मे शशांक के पिता शैलेश सिंह एक आईपीएस अधिकारी रहे हैं,

जिन्होंने मध्य प्रदेश पुलिस में अपनी सेवाएं दीं. शैलेश हमेशा से चाहते थे कि उनका बेटा क्रिकेटर बने. शशांक ने भी अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की. वह मुंबई के कांगा लीग से लेकर छत्तीसगढ़ के लिए घरेलू क्रिकेट तक खेले और अपनी मेहनत से आईपीएल में जगह बनाई. पंजाब किंग्स ने शशांक को 2024 में खरीदा था. वहीं, इस साल रिटेन किया था.

तलवारबाजी में बिहार का कमाल

पटना. तलवारबाजी में बिहार के दो युवा खिलाड़ी खेलो इंडिया एथलीट के रूप में चुने गए हैं. ये खिलाड़ी केशर राज और रवि कुमार यादव हैं. इस बात की जानकारी बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने दी है. उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के खेलो इंडिया स्कीम के तहत प्रतिभा खोज समिति के विशेषज्ञों और चयनकर्ताओं की अनुशंसा पर यह चयन किया गया है.

उन्होंने कहा कि इन दोनों युवाओं के साथ-साथ तलवारबाजी में देश के 8 उत्कृष्ट खिलाडियों का खेलो इंडिया एथलीट के रूप में चयन हुआ है. यह बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है. केशर राज तलवारबाजी के 'फॉयल'और रवि कुमार यादव 'इपी' विधा के लिए चुने गए हैं. चुने गए दोनों खिलाड़ियों को खेलो इंडिया के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में आवासीय प्रशिक्षण, खेल उपकरण, स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं 4 जून 2025 से ही मिलने लगेंगी.

राजगीर में रवि ने कांस्य पदक जीता

हाल ही में 4 से 15 मई तक बिहार में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के राजगीर में हुए तलवारबाजी के इवेंट में बिहार में मोतिहारी के रवि कुमार यादव ने ईपी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था. साल 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर दो पदक हासिल किया था. जम्मू-कश्मीर में आयोजित 68वीं विद्यालय खेल अंडर-17 राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में तलवारबाजी के ईपी एकल स्पर्धा रजत पदक तथा भारतीय तलवारबाजी संघ द्वारा उत्तराखंड के रुद्रपुर में आयोजित अंडर-17 राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया था.

केशर राज ने स्वर्ण पदक जीता था

इसी वर्ष कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप एवं कैडेट एशियन चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है. मोतिहारी की ही केशर राज ने 68वीं राष्ट्रीय विद्यालय तलवारबाजी अंडर-14 प्रतियोगिता, जम्मू-कश्मीर में तलवारबाजी के फॉयल एकल स्पर्धा में

स्वर्ण पदक हासिल किया था. वहीं भारतीय तलवारबाजी संघ द्वारा उड़ीसा के कटक में आयोजित अंडर-14 राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक तथा खेलो इंडिया अस्मिता लीग में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं.

वर्ष 2023-24 में अंडर-14 राष्ट्रीय तलवारबाजी प्रतियोगिता में भी केशर राज कांस्य पदक हासिल कर चुकी हैं. दोनों खिलाड़ी मोतिहारी के खेल भवन में संचालित जिला तलवारबाजी प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षु खिलाड़ी रहे हैं तथा वर्तमान में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, गुवाहाटी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं.

आईपीएल के बाद शुरू हुई टी20 मुंबई लीग

मुंबई. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की समाप्ति के बाद भारत में एक और टी20 लीग का आगाज हो गया है। आईपीएल 2025 में मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर ऑफ द सीजन रहे सूर्यकुमार यादव भी इस लीग में खेल रहे हैं। ये लीग मुंबई में खेली जा रही है, जिसका नाम टी20 मुंबई लीग है। इसका पहला मुकाबला बुधवार को सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई और ईगल थाणे स्ट्राइकर्स के बीच खेला गया। पहले ही मैच में सूर्या ने महज 25 गेंदों पर अर्धशतक जड़ते हुए अपनी शानदार फॉर्म दिखाई। हालांकि उनकी इस पारी के बाद भी ट्रायम्फ्स नाइट्स को हार का सामना करना पड़ा।

सूर्या की टीम ने बनाए 179 रन

मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई की शुरुआत बेहद ही खराब रही। उसको पहले ओवर में ही महज छह रन के स्कोर पर पहला झटका सिद्धांत के रूप में लगा। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी हुई।

96/2 के बाद क्रीज पर कप्तान सूर्यकुमार कुमार यादव उतरे और गेंदबाजों की जमकर कुटाई की। सूर्या 25 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाकर आउट हो गए। ट्रायम्फ्स नाइट्स की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 179 रन बना सकी।

चार गेंद शेष रहते जीती ईगल

180 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईगल थाना स्ट्राइकर्स की टीम ने चार गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल करते हुए पांच विकेट से जीत दर्ज की।

ईगल की ओर से सलामी बल्लेबाज वरुण लावंदे ने सर्वाधिक 38 गेंदों पर 57 रन तो साईराज पाटिल ने महज 22 गेंदों पर 47 रन की शानदार पारी खेली।

लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे सूर्या

बता दें कि सूर्यकुमार यादव शानदार फार्म में हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आईपीएल 2025 के 16 मैचों की 16 पारियों में सूर्या ने 65.18 के औसत से कुल 717 रन बनाए। टूर्नामेंट में उनका स्ट्राइक रेट 167.92 का रहा। सूर्या ने इस दौरान 69 चौके और 38 छक्के जड़े।

आरसीबी ने पहली बार जीता आईपीएल खिताब

बेंगलुरु. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर इस शानदार टूर्नामेंट की ट्रॉफी को अपने नाम किया. फाइनल मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से सभी खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. बता दें कि, आरसीबी टीम को आईपीएल 2025 को जीतने के लिए 20 करोड़ रुपए प्राइज मनी मिला. इसी के साथ आज हम आपको बताते हैं आरसीबी टीम ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में कितने रुपए बनाए और साथ ही उनका नेट वर्थ कितना है?रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में 653 करोड़ रुपए कमाए हैं. उन्होंने ब्रॉडकास्टिंग से 420 करोड़ रुपए कमाए हैं, जबकि स्पॉन्सरशिप और एडवर्टाइजमेंट से वह 120 करोड़ रुपए बना चुके हैं. टिकट सेल्स से भी उन्होंने काफी प्रॉफिट बनाया है. इससे उन्होंने 60 करोड़ रुपए की कमाई की

है. यही नहीं मर्चेंडाइज से आरसीबी फ्रेंचाइजी 30 करोड़ रुपए बना चुकी है जबकि डिजिटल और सोशल मीडिया इनकम टीम की 10 करोड़ रुपए है. बेंगलुरु भगदड़ 11 लोगों की मौत पर ये बोले विराट कोहली, आरसीबी ने हादसे के घंटों बाद...प्राइज मनी और बाकी सोर्स को मिलाकर उन्होंने 13 करोड़ रुपए कमाए हैं. अगर इन सब को जोड़ा जाए तो आरसीबी ने 2024 साल में 653 करोड़ रुपए कमाए हैं. ऐसे में ये कहना गलत नहीं होगा कि सिर्फ फील्ड में ही नहीं बल्कि बिजनेस में भी यह फ्रेंचाइजी चैंपियन बन चुकी है. इससे पहले फाइनेंशियल ईयर 2023 में टीम को 235.4 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद निवेश-पर्यटन पर सवाल

> विदेश में गए प्रतिनिधिमंडल ने ऐसे किया दूर

नई दिल्ली.

भारत में पहलगाम आतंकी हमला और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद भारत के मित्र देशों को निवेश और पर्यटन को लेकर चिंता है. विदेश गए प्रतिनिधिमंडलों ने मित्र देशों को भारत के निवेश माहौल और पर्यटन को लेकर आश्वस्त किया. सूत्रों के अनुसार दक्षिण कोरिया ने भारत में किए गए निवेश और यहां काम कर रहीं छह सौ से भी अधिक कंपनियों के बारे में पूछताछ की. वहां इस बात लेकर चिंता थी कि भारत पाकिस्तान संघर्ष से कहीं निवेश के माहौल और दक्षिण कोरियाई कंपनियों की सुरक्षा विपरीत असर तो नहीं होगा? वहीं, जापान, मलेशिया और इंडोनेशिया में भारत में पर्यटन

के हालात को लेकर पूछा गया. सूत्रों के अनुसार भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया को भारत के आर्थिक हालात और निवेश की सुरक्षा के बारे में आश्वस्त किया.

भारतीय सासंदों ने बताया कि भारत जल्दी ही जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है. भारत पाकिस्तान को ज्यादा महत्व नहीं देता और यह सीमित संघर्ष आतंकवाद को बढ़ावा देने की उसकी नीति पर पलटवार था. यह स्पष्ट किया गया कि आसियान देशों में दूसरे के यहां आतंकी नहीं भेजे जाते है, लेकिन पाकिस्तान भारत के साथ ऐसा करता है. पर्यटन को लेकर आश्वस्त किया गया कि पहलगाम हमले के बाद जम्मू कश्मीर में हालात सामान्य हो रहे हैं. पहलगाम में राज्य कैबिनेट की बैठक हुई, जबकि अन्य जगहों पर पर्यटन गतिविधियां सामान्य हैं.

पर्यटन को लेकर चिंता को किया दूर

इस बात पर जोर दिया गया कि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले का यह मतलब नहीं कि देश भर में पर्यटक असुरक्षित हैं, बता दें कि पहलगाम आतंकी हमला और भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के बाद बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न देशों का दौरा किया था. इस दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने न केवल पाकिस्तान की पोल दुनिया के सामने खोली, बल्कि दुनिया के देशों को आश्वस्त किया कि भारत चाहे निवेश की दृष्टि से या फिर पर्यटन की दृष्टि से पूरी तरह से सुरक्षित है.

पेड़ लगाकर मनाते हैं बेटी का जन्म

> इस गांव की परंपरा बनी मिसाल

पटना.

बिहार के भागलपुर जिले का एक गांव देशभर के लोगों को यह संदेश देता है कि पर्यावरण के लिए पेड़ और समाज के लिए बेटियां कितनी महत्वपूर्ण है. जब भी बेटी के जन्म की बात होती है तो नवगछिया के धरहरा गांव का जिक्र जरूर होता है.

इस गांव में बेटी के जन्म पर वृक्षारोपण की परंपरा सदियों से चलती आ रही है. धरहरा गांव में बेटियों के जन्म पर फलदार वृक्ष लगाए जाते हैं. यह परंपरा उस दौर से चली आ ही है जब बेटियों को कोख में ही या जन्म के बाद मार दिया जाता था, लेकिन इस गांव ने ऐसा करने वालों के मुंह पर हमेशा कड़ा तमाचा मारा है.

बेटी के जन्म पर वृक्षारोपण की अनोखी परंपरा से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2010 से 2013, यानी 4 साल तक लगातार इस गांव का दौरा किया.

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर बेटी के नाम पर पौधारोपण किया, लेकिन अब एक दशक से अधिक हो गए हैं और सीएम नीतीश भी धरहरा गांव को भूल गए हैं, इसके बावजूद परंपरा जारी है. आज भी बेटी के जन्म पर वृक्षारोपण किया जाता है.

जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर गंगा के पार नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत धरहरा गांव में बेटियों के जन्म पर पौधा रोपण किया जाता है. दशकों से यह परंपरा चली आ रही है.

आलम यह है कि गांव में पेड़ पौधे हैं या पेड़ पौधों में गांव है यह पता नहीं चलता है, जो पर्यावरण के दृष्टिकोण से काफी फायदेमंद है. यह गांव संदेश देता आया है कि जिस तरह से पर्यावरण के लिए पेड़ पौधे जरूरी हैं. उसी तरह बेहतर समाज के निर्माण के लिए बेटियां जरूरी हैं.

बसपा के अच्छे दिन कब आएंगे?

> मायावती का सवाल

नई दिल्ली.

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अपने खोए जनाधार को वापस पाने के लिए मशक्कत कर रही है. 2027 में होने वाले चुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती एक्टिव हो चुकी हैं. वो फिर से पार्टी को मजबूत करने में जुटी हैं.

इसी कड़ी में उन्होंने बड़ा बयान देते हुए ये भी बताया है कि बसपा के अच्छे दिन कब और कैसे लौट सकते हैं. मायावती ने मांग की है कि अब सभी चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराए जाएं. अगर ऐसा होता है तो बसपा के 'अच्छे दिन' फिर से लौट सकते हैं.

मायावती ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी और विपक्षी दल दोनों ही जातिवादी दल हैं. ये दोनों पार्टियां पर्दे के पीछे से दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों के कुछ स्वार्थी, अवसरवादी लोगों को अपनी ओर मिलाकर उनके जरिए नए संगठन और पार्टियां खड़ी कर रहे हैं. ये पार्टियां उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में बहुजन वोटों को बांटने का प्रयास कर रही हैं. ताकि बसपा को कमजोर किया जा सके.

बसपा प्रमुख ने ईवीएम पर भी गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा, हमारे उम्मीदवारों को हराने के लिए ईवीएम में गड़बड़ी की जा रही है, जिससे दलितों और वंचित वर्गों का बसपा से विश्वास टूटे. राजनीतिक फायदे के लिए विरोधी दल बहुजन वोटों को अन्य छोटे दलों की ओर ट्रांसफर करा रहे हैं, ताकि कुछ सांसद या विधायक जीत सकें. अब खुद विपक्ष की कई पार्टियां भी ईवीएम को लेकर सवाल उठा रही हैं.

उन्होंने कहा कि निजी स्वार्थों के चलते सांसद या मंत्री बनने वाले ऐसे नेताओं से दलित समाज को कोई लाभ नहीं होगा. मायावती ने देश की आर्थिक स्थिति पर भी चिंता जताई. उन्होंने कहा कि देश की जीडीपी में बहुजनों की हिस्सेदारी बहुत कम है. जब तक सबको समान भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक समावेशी विकास संभव नहीं है.

बसपा सुप्रीमो ने इस दौरान पहलगाम आतंकी हमले को दुखद और चिंताजनक करार देते हुए ऐसी घटनाओं के राजनीतिकरण की आलोचना की.

सेना को सेल्यूट करेंगी ये स्काई ड्राइवर

>12000 फीट पर फहराएंगी ऑपरेशन सिंदूर का फ्लैग

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की बेटी स्काई ड्राइवर अनामिका शर्मा एक बार फिर नया कीर्तिमान बनाने जा रही हैं. अनामिका ऑपरेशन सिंदूर का फ्लैग हाथों में लेकर 12 हजार फीट से छलांग लगाएंगी. ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद देश की सेनाओं के समर्थन में देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इसी कड़ी में अनामिका शर्मा, ने आपरेशन सिंदूर के समर्थन में, आपरेशन सिंदूर का झंडा लेकर आसमान से छलांग लगाने का निर्णय लिया है.

अनामिका देश की सबसे कम उम्र यूएसपीएस-डी लाइसेंस होल्डर हैं. वो भारत की अकेली महिला हैं, जिन्होंने

स्काइडाइविंग प्रशिक्षक के स्काई ड्राइवर का खिताब अपने नाम दर्ज किया है. अनामिका शर्मा आपरेशन सिंदूर का झंडा लेकर आसमान में लगभग 12000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाएंगी. इससे भी बड़ी बात यह है कि अनामिका शर्मा यह प्रदर्शन विदेशी आसमान से करेंगी. आसमान होगा बैंकॉक का और साहस दिखेगा भारत की बेटी का. दुनिया अनामिका शर्मा के जरिये भारत के पराक्रम को देखेगी. अनामिका शर्मा, अपने अलग अंदाज में देश की सेना और लोगों का मनोबल बढ़ाने का कार्य कर रही हैं. अनामिका शर्मा मुख्यमंत्री योगी की शैली से बहुत प्रभावित हैं. सीएम योगी का नेतृत्व प्रदेश के युवाओं को प्रेरित करता है. इससे पहले अनामिका शर्मा ने "सर्व सिद्धि प्रदः कुंभ " का ध्वज लेकर बैंकॉक के आसमान से ही संपूर्ण संसार को कुंभ में आने का निमंत्रण दिया था.

अनामिका के इस योगदान को उत्तर प्रदेश की सरकार, मेला प्रशासन सहित पूरे देश ने सराहा था. अनामिका शर्मा, उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में युवाओं की प्रेरणा बन गयी हैं. अनामिका भारत की नारी शक्ति का प्रतिनिधि चेहरा बन चुकी हैं. उनकी इन साहसी गतिविधियों से देश के लोगों में अदम्य ऊर्जा का संचार होगा.साथ ही दुनिया यह देख सकेगी कि वो जिस भारतीय समाज की महिलाओं को हीन भावना से दिखाने का प्रयास करती है वह एक झूठ से अधिक कुछ नहीं है.

अगले हफ्ते पीएम मोदी से मिलेंगी ममता

ढाका.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी अगले सप्ताह दिल्ली दौरे पर जा रही हैं. इस दौरे के दौरान ममता बनर्जी की पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की संभावना है. सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 9 जून को दिल्ली जाने की संभावना है. प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री दिल्ली में दो दिवसीय दौर पर रहेंगी. मुख्यमंत्री के दिल्ली दौरे का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं में कथित रूप से नहीं मिल रही मदद के मुद्दे को उठाना है.

तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री प्रायः ही आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार राज्य को केंद्र की योजनाओं के पैसे नहीं दे रही है. बंगाल के साथ भेदभाव किया जा रहा है. माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से मुलाकात कर राज्य के 1.70 लाख करोड़ रुपये के बकाये के भुगतान पर चर्चा करेंगी.

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार 100 दिनों के काम के लिए पैसे की मांग को लेकर तृणमूल पहले भी दिल्ली की सड़कों पर उतर चुकी है. न केवल 100 दिनों के काम, बल्कि प्रधानमंत्री सड़क योजना और आवास योजना के लिए भी धनराशि बकाया है.

सूत्रों के अनुसार राज्य का केंद्र पर 1.70 लाख करोड़ रुपए बकाया है. सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि उसने बकाया पैसे की मांग को लेकर केंद्र से बार-बार अपील की है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला है. इससे पहले ममता बनर्जी रेड रोड पर धरने पर भी बैठी थीं. बाद में राज्य सरकार ने सौ दिन के काम के लिए धनराशि उपलब्ध कराई. आवास योजना के लिए धन भी राज्य कोष से उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन इससे राज्य के खजाने पर लगातार दवाब बढ़ रहा है.

इस बीच, 9 जून से विधानसभा का सत्र शुरू हो रहा है. वहां कई जरूरी मुद्दों पर भी चर्चा की जा सकती है. विभिन्न विधेयक पारित होने की उम्मीद है. ऐसे में राजनीतिक हलकों में मुख्यमंत्री का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

भारतीय नौसेना को मिसाइल पार्ट्स सप्लाई करेगी बीईएल

नई दिल्ली.

देश की बड़ी रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को एक बड़ा ऑर्डर मिला है. कंपनी को 2 हजार 323 करोड़ रुपये का ऑर्डर भारतीय नौसेना के लिए मिला है. यह ऑर्डर मुंबई की मझगांव डॉक लिमिटेड और कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स से मिला है. इसके तहत बीईएल भारतीय नौसेना के जहाजों पर लगे मिसाइल सिस्टम के लिए जरूरी स्पेयर पार्ट्स (बेस और

डिपो स्पेयर्स) की सप्लाई करेगी.

ये स्पेयर पार्ट्स जहाजों पर मौजूद जरूरी उपकरणों को सही तरीके से और लगातार काम करते रहने में मदद करेंगे. बीईएल का यह ऑर्डर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और मजबूत कदम है. रक्षा क्षेत्र में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) लगातार बड़े आयाम और कीर्तिमान रच रही है.

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था. इसमें आकाश मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी.

इस मिसाइल ने पाकिस्तान में तबाही मचाई थी. आकाश मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने बनाया है.

राम दरबार प्राणप्रतिष्ठा में योगी को पहनाई गई पगड़ी

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के लिए कल अहम और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए काफी बड़ा और शुभ दिन था. दरअसल, अयोध्या के राम मंदिर में आज राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हुई. ये सबकुछ अभिजीत मुहूर्त में किया गया. इस पूरी प्राण प्रतिष्ठा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां मौजूद थे. रामलला के गर्भगृह के पहले तल पर राम दरबार बनाया गया है. जहां श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के साथ हनुमान जी की मूर्तियां स्थापित

की गई हैं.

आज के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के दौरान एक तस्वीर या फिर यूं कहें कि कुछ सेकेंड की कवायद काफी गौर करने वाली और अहम थी. हुआ कुछ यूं कि पूजा से पहले सीएम योगी को राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने पगड़ी पहनाई. फिर क्या, लोग पूछने लगे कि ये टोपी की तरह दिखने वाला ये पगड़ी किस तरह का प्रतीक है. तो आपको बता दें कि योगी आदित्यनाथ को आज जो पगड़ीनुमा टोपी पहनाई गई, वो हिन्द्रवी साम्राज्य का प्रतीक है.

छत्रपति शिवाजी महाराज ऐसी ही टोपी पहना करते थे. साथ ही, महाराष्ट्र के मराठा छत्रप इसी तरह की पगड़ीनुमा टोपी पहनते थे. जाहिर सी बात है कि इस तरह की टोपी का संतों की तरफ से योगी आदित्यनाथ को पहनाए जाना एक अहम घटना है. आज अयोध्या में राम दरबार के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान सूरत के एक कारोबारी मुकेस पटेल की काफी चर्चा रही. मुकेश पटेल ने हीरे, सोने-चांदी के आभूषण मंदिर को दिए हैं.22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी.

सद्गुरु के कावेरी कॉलिंग अभियान की बड़ी उपलब्धि

> 1.36 करोड़ पौधे लगाए

नई दिल्ली.

सद्गुरु द्वारा मार्गदर्शित कावेरी कॉलिंग अभियान ने 2024-25 के दौरान कावेरी बेसिन में 34,000 एकड़ में 1.36 करोड़ पौधे लगाने में सफलता प्राप्त की. अब तक कुल 12.2 करोड़ पौधे लगाए गए हैं, जिससे 2.38 लाख किसानों को वृक्ष-आधारित कृषि अपनाने में मदद मिली है. पिछले वर्ष ही 50,931 किसानों और नागरिकों ने बड़े पैमाने के इस पारिस्थितिक प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लिया.

कावेरी कॉलिंग दुनिया की सबसे बड़ी किसान-संचालित पारिस्थितिक पहल और ट्रॉपिकल क्षेत्रों को बदलने की क्षमता वाला एक अभूतपूर्व प्रयास है. ट्रिलियन ट्रीज: इंडिया चैलेंज द्वारा दिए गए 'शीर्ष इनोवेटर' नाम के साथ,

किसानों की आजीविका को बढ़ा रहा कावेरी कॉलिंग

कावेरी कॉलिंग किसानों को पौधा उत्पादन और वितरण फ्रेंचाइजी चलाने में सक्षम बनाकर उनकी आजीविका को बढ़ा रहा है. किसानों को नर्सरी प्रबंधन और अपने समुदायों को उच्च गुणवत्ता वाले जैविक पौधे आपूर्ति करने के लिए प्रशिक्षित और समर्थित किया जाता है. जमीनी समर्थन को मजबूत करते हुए, कावेरी कॉलिंग ने 160 से अधिक क्षेत्रीय अधिकारियों को तैनात किया, जिन्होंने 32,000 से अधिक कृषि भूमि का दौरा किया. ये अधिकारी वृक्षारोपण से पहले से लेकर वृक्षारोपण के बाद तक मुफ्त परामर्श प्रदान करते हैं, जिसका उद्देश्य वृक्ष आधारित कृषि को अपनाने के लाभ के बारे में जागरूकता फैलाना है.

इस अभियान का उद्देश्य कावेरी नदी को पुनर्जीवित करना है. यह वृक्ष-आधारित कृषि को बढ़ावा देता है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य को समृद्ध करने और जल प्रतिधारण में सुधार करने में मदद करता है, जिससे नदी के प्रवाह को वर्ष भर बनाए रखने में मदद मिलती है.

कावेरी कॉलिंग के बारे में चर्चा करते हुए सद्गुरु ने बताया कि कावेरी कॉलिंग दुनिया को दिखाएगा कि योजनाबद्ध और रणनीतिक कार्रवाई करके बंजर भूमि के भूभाग को बदलना संभव है. जो भी मिट्टी और जल से पोषित होता है, उसे इस अभियान का हिस्सा बनना चाहिए. कावेरी कॉलिंग के परियोजना निदेशक और मिट्टी बचाओ अभियान के प्रतिनिधि आनंद एथिराजालु ने मिट्टी के पुनर्जनन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि यूएनएफसीसीसी के इस सीओपी29 शिखर सम्मेलन और यूएनसीसीडी के सीओपी16 के दौरान हम जिन प्रमुख विषयों पर अभियान चला रहे थे, उनमें से एक यह है कि वैश्विक जलवायु वित्त का 4 प्रतिशत से भी कम हिस्सा वास्तव में कृषि और खाद्य प्रणालियों तक पहुंच रहा है.